जबलपुर, कटनी, भोपाल, मंडला, इंदौर, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

● वर्ष- 20 अंक-279 ● जबलपुर ● गुरुवार, 12 नवम्बर, 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक शुक्ल पक्ष 2 ● विक्रम संवत् 2083

हार मान लेना कमजोरी है, और आगे बढ़ना ताकत की निशानी है।

पाकिस्तान में पुलिस पर आतंकी हमला

डीएसपी समेत 11 की मौत

जबाबी कार्रवाई में 18 आतंकी ढेर



इस्लामाबाद(ईएमएस)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बुधवार को पुलिस की एक टीम पर आतंकवादियों ने घात लगाकर हमला किया, जिसमें एक पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) सहित 11 पुलिसकर्मी शहीद हो गए और 12 अन्य घायल हो गए। इसके बाद हुई मुठभेड़ में 18 आतंकवादी भी मारे गए। यह हमला कोहाट शहर के पास दरबोकच इलाके में तब हुआ, जब पुलिस के जवान स्थानीय सिविल प्रशासन के साथ मिलकर एक संयुक्त अभियान चला रहे थे।

पुलिस प्रवक्ता मोहम्मद नौमान जैब के अनुसार, पुलिस टीम सोने की अवैध खुदाई रोकने के अभियान पर जा रही थी। कोहाट जिले के गंबट इलाके से गुजरते हुए, जब पुलिस पार्टी कोहाट और करक के बीच स्थित दरबोकाच जलंधर बांदा क्षेत्र पहुंची, तभी पहाड़ियों से अचानक गोलीबारी शुरू हो गई। इस भीषण हमले में पुलिस की पांच गाड़ियों को भी आग लगा दी गई। दोनों तरफ से भारी गोलीबारी हुई, जिसमें कई पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए।मरने वालों में गंबट के डीएसपी हैदर जमां और उपनिरीक्षक मुख्तियार शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीमों ने घटनास्थल पर पहुंचकर घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां जिला मुख्यालय शिक्षण अस्पताल में आपात स्थिति घोषित कर दी गई। हमले के बाद अतिरिक्त पुलिस बल और सुरक्षा दलों को तुरंत मौके पर भेजा गया, और जवाबी कार्रवाई के लिए एक बड़े पुलिस दस्ते को बुलाया गया। खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर फैसल करीम कुंडी ने इस आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने इसे आपराधिक तत्वों और आतंकवादियों के गठजोड़ का परिणाम बताया। हालांकि, अभी तक किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन सरकार द्वारा तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादियों के लिए इस्तेमाल होने वाले फितना-अल-खवारिज का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है

ISIS से जुड़े विद्रोहियों का खूनी हमला, कांगो में की 22 लोगों की हत्या 10 से ज्यादा का अपहरण

इतुरी, एजेंसी। कांगो के पूर्वी हिस्से में इस्लामिक स्टेट यानी कि ISIS से जुड़े विद्रोहियों ने एक बार फिर खूनी हमले किए हैं। पिछले 2 दिनों में विद्रोहियों ने युगांडा की सीमा के पास स्थित कई दूरदराज के गांवों को निशाना बनाया। नागरिक संगठनों ने बुधवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इन हमलों में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 से ज्यादा लोगों का अपहरण कर लिया गया। हमलों के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। बता दें कि कुछ ही दिन पहले एक और अफ्रीकी देश नाइजीरिया में भी कत्लेआम हुआ था और 62 लोगों की हत्या कर दी गई थी।नागरिक संगठनों और मानवाधिकारों पर नजर रखने वाले दो समूहों के मुताबिक, ये हमले कांगो के पूर्वी इतुरी प्रांत के मंबासा इलाके में 8 अलग-अलग स्थानों पर किए गए। हमलों को अंजाम देने वाले विद्रोही संगठन का नाम एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेज या ADF है।

किश्तवाड़ से लापता दो SPO के गोलियों से छलनी शव बरामद, हथियार नहीं मिले







किश्तवाड़, एजेंसी। *जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले से अचानक लापता हुए दो स्पेशल पुलिस ऑफिसर (एसपीओ) के शव बरामद होने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है। दोनों के शव गोलियों से छलनी हालत में बरामद किए गए हैं. खास बात यह है कि उनके सर्विस हथियार मौके से नहीं मिले हैं. इससे घटना में आतंकियों की संलिप्तता की आशंका जताई जा रही है. हालांकि, अधिकारियों ने अभी किसी आतंकी हमले की पुष्टि नहीं की है. मृतकों की पहचान ऋषिपाल और बॉबी चंद के रूप में हुई है। दोनों स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) का हिस्सा थे और सेना के एक दल को रिलीव करने के लिए जा रहे थे। उनके शव मिलने के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।*

जानकारी के अनुसार, किश्तवाड़ जिले के मारवाह क्षेत्र के देहरना जंगल में फायरिंग की आवाज सुनाई देने के बाद दोनों एसपीओ अचानक लापता हो गए थे। दोनों कियार दच्छन से अपर रिज देहरना के इंदरवन इलाके में बसनान स्थित सेना की 17 राष्ट्रीय राइफल्स की एक टीम को रिलीव करने के लिए रवाना हुए थे। अधिकारियों के मुताबिक, वे कियार कैंप से ढारना-मारवाह स्थित सेना की चौकी की ओर निकले थे, लेकिन निर्धारित स्थान पर नहीं पहुंचे। शुरुआत में दोनों जवानों के मोबाइल फोन पर संपर्क हो रहा था, लेकिन कुछ समय बाद उनके फोन बंद हो गए। इसके बाद उनकी सुरक्षा और ठिकाने को लेकर चिंता बढ़ गई। पुलिस और सेना की राष्ट्रीय राइफल्स ने संयुक्त रूप से दुर्गम पर्वतीय और जंगल क्षेत्रों में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। आसपास के इलाकों में सुरक्षा बलों की टीमें तैनात कर दोनों की तलाश की जा रही थी। आखिरकार तलाशी अभियान के दौरान दोनों के शव बरामद हुए। सूत्रों के मुताबिक, दोनों के शरीर पर गोलियों के निशान मिले हैं। इस घटना ने किश्तवाड़ जिले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि घटना के पीछे की वास्तविक परिस्थितियों और संभावित आतंकी संलिप्तता के बारे में अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। जांच के बाद ही हत्या के कारणों और इसमें शामिल लोगों के बारे में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। गौरतलब है कि हाल के दिनों में जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में भी सीआरपीएफ कैंप पर आतंकी हमला हुआ था, जिसमें तीन जवान घायल हुए थे। ऐसे में किश्तवाड़ में दो एसपीओ की हत्या ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है।

कुलगाम में आतंकियों की बड़ी साजिश नाकाम, जवानों की त्वरित कार्रवाई से टला बड़ा नुकसान



जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में सुरक्षाबलों ने सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से आतंकियों की बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया। अखरान इलाके में एसएसबी कैंप पर एके-47 से लैस दो आतंकियों ने हमला किया था। हमले में एसएसबी के तीन जवान घायल हो गए, जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। अब इस हमले का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें सुरक्षाबलों की मुस्तैदी और आतंकियों के हमले के तुरंत बाद की गई जवाबी कार्रवाई साफ दिखाई दे रही है। जवानों की तेजी से की गई घेराबंदी के कारण आतंकी आगे नहीं बढ़ सके और उन्हें अपना मकसद पूरा किए बिना मौके से भागना पड़ा।सामने आए सीसीटीवी फुटेज में दिखाई देता है कि जैसे ही कैंप पर हमला होता है, सुरक्षाबल तत्काल सक्रिय हो जाते हैं। जवान पूरे इलाके की घेराबंदी करते हुए हमलावरों की गतिविधियों पर नजर रखते हैं। वहीं, हमले में घायल जवानों की मदद के लिए सुरक्षाकर्मी तेजी से घटनास्थल की ओर बढ़ते दिखाई देते हैं। कुछ ही सेकंड में की गई इस कार्रवाई ने आतंकियों की आगे बढ़ने की कोशिश को नाकाम कर दिया। सुरक्षाबलों की मुस्तैदी के चलते हमलावरों को पीछे हटना पड़ा और संभावित बड़े नुकसान को टाल दिया गया। जानकारी के मुताबिक, हमले से कुछ घंटे पहले ही सुरक्षाबलों को इलाके में संदिग्ध गतिविधियों के बारे में खुफिया सूचना मिली थी। हालांकि, आतंकियों के निशाने पर कौन-सा ठिकाना है, इसकी सटीक जानकारी नहीं थी। जांच एजेंसियों के प्रारंभिक आकलन के अनुसार, हमला सुनियोजित था और इसका उद्देश्य सुरक्षाबलों को अधिकतम नुकसान पहुंचाना था। हमले में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों की भूमिका होने का संदेह जताया जा रहा है। घटना के बाद फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं और हमले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

नेपाल में यात्रियों से भरी इलेक्ट्रिक वैन गहरी खाई में गिरी, 10 की मौत

महराजगंज, एजेंसी। नेपाल के मकवानपुर जिले में बृहस्पतिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। भीमफेदी गांवपालिका-6 स्थित चिसापानी गढ़ी के पास यात्रियों से भरी एक इलेक्ट्रिक वैन (ईवी) अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 500 मीटर नीचे खाई में जा गिरी। हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर राहत एवं बचाव कार्य चलाया गया।



जानकारी के अनुसार, मधेश प्रदेश 03-001 ज 0880 नंबर की इलेक्ट्रिक वैन काठमांडू से सर्लाही की ओर जा रही थी। इसी दौरान भीमफेदी-कुलेखानी-काठमांडू सड़कखंड पर चिसापानी गढ़ी के पास वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया। हादसे में घायल लोगों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों में सर्लाही जिले के चक्रघट्टा गांवपालिका-4 सुंदरपुरटोल निवासी 33 वर्षीय मुकेश यादव, पांच वर्षीय सक्षम कुमार यादव और तीन वर्षीय सुदन यादव शामिल हैं। हेटौंडा अस्पताल में भर्ती मुकेश यादव के सिर और पीठ में चोट आई है, जबकि सक्षम कुमार यादव के शरीर में अंदरूनी चोटें लगी हैं। दोनों की हालत सामान्य बताई गई है। वहीं तीन वर्षीय सुदन यादव के सिर और मुंह में चोट आई है। उनकी स्थिति मध्यम बताई गई है। सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल के सहप्रवक्ता शैलेन्द्र थापा ने बताया कि दुर्घटना में कुल 10 लोगों की मौत हुई है और पांच लोग घायल हुए हैं।

शेयर बाजार में बुल्स की वापसी लाल से हरे निशान में आए सेंसेक्स-निफ्टी, निवेशकों में दिखा उत्साह

मुंबई, यशभारत। भारतीय शेयर बाजार ने आज एक बार फिर अपनी जबरदस्त ताकत दिखाई है। दिन की शुरुआत में कमजोर संकेतों और बिकवाली के चलते बाजार लाल निशान में फिसलता नजर आ रहा था, लेकिन सत्र आगे बढ़ते ही बुल्स ने जोरदार वापसी की। निवेशकों की सुस्ती जल्द ही उत्साह में बदल गई क्योंकि बाजार ने अपनी शुरुआती सारी गिरावट को पूरी तरह धो डाला और प्रमुख सूचकांक हरे निशान में कारोबार करने लगे। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 134.09 अंक यानी 0.16 फीसदी की बढ़त के साथ 82,013.49 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। वहीं, निफ्टी ने भी रफ्तार पकड़ते हुए 34.35 अंक या 0.14 फीसदी की तेजी दर्ज की और यह 25,289.40 के स्तर पर पहुंच गया। बाजार के एडवांस-डिक्लाइन रेशियो ने खरीदारों की मजबूत पकड़ को साबित किया। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, बाजार में 2,033 शेयरों में तेजी दर्ज की गई, जबकि 728 शेयरों में गिरावट रही और 163 शेयर बिना किसी बदलाव के सपाट बने रहे।





नवंबर में ही कांपने लगा मध्यप्रदेश, सीजन में पहली बार 10 डिग्री से नीचे पहुंचा पारा

अगले चार दिन में एक से दो डिग्री तक और गिरेगा तापमान, उत्तर भारत की बर्फबारी के बाद बढ़ेगी ठिठुरन

भोपाल, एजेंसी। *मध्यप्रदेश में नवंबर की शुरुआत के साथ ही सर्दी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। प्रदेश में इस सीजन में पहली बार न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। शहडोल के कल्याणपुर में रात का पारा 9.9 डिग्री दर्ज किया गया, जो फिलहाल प्रदेश में सबसे कम है। लगातार गिरते तापमान के कारण कई इलाकों में रात और सुबह ठंड का असर बढ़ने लगा है। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों में न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस तक और गिरावट आने का अनुमान जताया है। ऐसे में नवंबर के दूसरे पखवाड़े से प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़ने के आसार हैं।*

बीती रात शहडोल संभाग के इलाकों में ठंड का सबसे ज्यादा असर देखने को मिला। शहडोल के कल्याणपुर में न्यूनतम तापमान 9.9 डिग्री, अनूपपुर के अमरकंटक में 10.1 डिग्री और कटनी के करौंदी में 10.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इन तीनों स्थानों पर रात का तापमान 11 डिग्री से नीचे रहा। दमोह में भी पारा गिरकर 11.5 डिग्री पर पहुंच गया। प्रदेश में ठंड का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी के मुकाबले इंदौर में रात ज्यादा ठंडी रही। इंदौर में न्यूनतम तापमान 12.4 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि पचमढ़ी में पारा 13.2 डिग्री रहा। इसके अलावा छिंदवाड़ा में न्यूनतम तापमान 12.6 डिग्री, रायसेन में 12.8 डिग्री, जबलपुर और मंडला में 13.2 डिग्री, नौगांव में 13.4 डिग्री तथा रीवा में 13.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। राजधानी भोपाल में रात का तापमान 14.2 डिग्री रहा। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे बना हुआ है। शहडोल संभाग में रात का पारा सामान्य से करीब दो डिग्री कम, जबकि भोपाल संभाग में सामान्य से 1.9 डिग्री नीचे दर्ज किया गया है।

उत्तर भारत की बर्फबारी के बाद बढ़ेगी ठंड

मध्यप्रदेश में तापमान गिरने के पीछे उत्तर भारत में सक्रिय मौसमी परिस्थितियों को भी अहम माना जा रहा है। जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में बर्फबारी शुरू हो गई है। मौसम विभाग के अनुसार 13 नवंबर तक पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में बारिश और बर्फबारी की संभावना है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ इलाकों में भारी बारिश और बर्फबारी का अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर भारत में मौसमी गतिविधियां समाप्त होने के बाद वहां से आने वाली ठंडी उत्तरी हवाओं का असर मध्यप्रदेश में भी दिखाई देगा। इससे रात के तापमान में और गिरावट होने की संभावना है(मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले चार दिनों में प्रदेश के कई शहरों में न्यूनतम तापमान एक से दो डिग्री तक और नीचे जा सकता है। नवंबर के दूसरे पखवाड़े में ठंड का असर और तेज होने की संभावना है। ऐसे में आने वाले दिनों में रात के साथ सुबह की ठिठुरन भी बढ़ेगी। फिलहाल प्रदेश में सर्दी की शुरुआत ने ही लोगों को गर्म कपड़े निकालने पर मजबूर कर दिया है।

मुरैना में तेज रफ्तार बस का कहर

मध्यप्रदेश में दो भीषण सड़क हादसे, दो मासूम भाई बहन सहित पिता-पुत्र की मौत, तीन गंभीर घायल

रतलाम, मुरैना ,यशभारत। मध्यप्रदेश में बुधवार को दो अलग-अलग जिलों में हुए भीषण सड़क हादसों ने चार परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया। मुरैना जिले में नेशनल हाईवे स्थित कुल्हौली मोड़ पर बुधवार दोपहर करीब एक बजे हुई। यहां सबलगढ़ से मुरैना की ओर जा रही तेज रफ्तार बस ने सड़क किनारे खड़े एक ही परिवार के तीन लोगों को टक्कर मार दी। जानकारी के अनुसार बामसोली क्षेत्र के नंदापुरा निवासी 60 वर्षीय लोहरी बाई कुशवाहा अपने 14 वर्षीय नाती लवकुश के साथ कुतघान गांव में गोवर्धन पूजा का निमंत्रण खाने गई थीं। वहां से उन्हें पंचमपुरा पहाड़गढ़ जाना था। इसी दौरान उनका 35 वर्षीय बेटा रघुराज कुशवाहा भी करजौनी में बाबू बाबा की जात करके बाइक से कुल्हौली मोड़ पहुंच गया। वह अपनी मां को दौज पर उनके मायके पंचमपुरा ले जाने की तैयारी कर रहा था। बताया गया कि तीनों को प्यास लगी थी। इसी दौरान रघुराज का चचेरा भाई सत्यवीर कुशवाहा पानी लेने के लिए सड़क के दूसरी ओर चला गया। तभी बस क्रमांक एमपी 06 पी 5277 के चालक ने तेज रफ्तार



और लापरवाही से वाहन चलाते हुए सड़क किनारे खड़े रघुराज, लोहरी बाई और लवकुश को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में रघुराज की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल लवकुश और उसकी दादी को कैलारस अस्पताल ले जाया गया। जबकि रतलाम में दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर लोहे की रेलिंग से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि रेलिंग का हिस्सा कार को चीरता हुआ भीतर तक घुस गया। हादसे में 13 वर्षीय सागर और उसकी 6 वर्षीय बहन विधि की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनके माता-पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं मुरैना जिले में तेज रफ्तार बस ने सड़क किनारे खड़े एक ही परिवार के तीन लोगों को टक्कर मार दी। इस हादसे में 35 वर्षीय पिता रघुराज कुशवाहा और उनके 14 वर्षीय बेटे लवकुश की मौत हो गई, जबकि बुजुर्ग दादी लोहरी बाई गंभीर रूप से घायल हैं। दोनों घटनाओं में तेज रफ्तार और सड़क सुरक्षा के इंतजामों को लेकर सवाल खड़े हुए हैं। रतलाम जिले में पहला हादसा जावरा के बड़ावदा चौराहे के पास दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर बुधवार सुबह हुआ। जानकारी के अनुसार गुजरात के हारोल में रहने वाला वर्मा परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के उन्नाव का निवासी है। परिवार के मुखिया राजाबाबू वर्मा बुधवार सुबह करीब 4:30 बजे अपनी कार से गांव जाने के लिए निकले थे। बताया गया कि एक्सप्रेस-वे पर कार करीब 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ रही थी। इसी दौरान चालक का नियंत्रण बिगड़ने से कार सड़क किनारे लगी लोहे की रेलिंग से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि रेलिंग का हिस्सा कार को चीरता हुआ अंदर तक

ईगल बैटरी
सोलर इनवर्टर बैटरी
लाईफ मैडीसिटी हॉस्पिटल के सामने आगा चौक
मो.न. 9200792000

SUZUKI
Ride Home in Style
with Suzuki's Great Offers!
10 YEARS
₹6000
₹10000
100%
NO HYPOTHECATION
KHATIWANI SUZUKI

Intenics
Solar And Hybrid Lighting
Save Electricity Save Wiring 2 year warranty*
Made In India
Inviting Distributers And Dealers
intenicsgreenhill intenics.in
7880024499, 7880024466

विशुद्ध हेल्थ केयर
माइक्रोबायोलॉजी एवं पैथोलॉजी लैब
• ब्लडप्रेशर • डाइबिटीज • अस्थमा
• हृदय एवं थायराइड रोग हेतु समर्पित सेंटर
डॉ. अंकित सेठ
एम.डी., कंसल्टेंट फिजिशियन, डायबेटोलॉजिस्ट
डॉ. रीति सेठ
कंसल्टेंट माइक्रोबायोलॉजिस्ट
पता- 2365, राईट टाउन, P & T गेट नं. 4 के पास, मदन महल स्टेशन रोड, जबलपुर
Ph.: 0761-4035454, M: 9752000122

बंटवारे के बाद पोता दादा की संपत्ति में नहीं मांग सकता हिस्सा

सुप्रीम कोर्ट बोला- पिता को मिला हिस्सा निजी संपत्ति, जन्म से नहीं बनता अधिकार



नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने पैतृक संपत्ति में पोते के अधिकार को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि दादा की मृत्यु के बाद उनकी संपत्ति हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 8 के तहत कानूनी वारिसों में बंट चुकी है, तो पोता केवल जन्म के आधार पर उसमें अपना हिस्सा नहीं मांग सकता। बंटवारे में पिता को मिला हिस्सा उनकी व्यक्तिगत संपत्ति माना जाएगा और वह अपने बच्चों के लिए स्वतः संयुक्त परिवार की संपत्ति नहीं बन जाता। जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और जस्टिस सुनीता अग्रवाल की पीठ ने चेन्नई की 1,811 वर्गफीट की संपत्ति से जुड़े मामले में यह फैसला सुनाया। निर्णय 6 नवंबर को दिया गया, जिसकी जानकारी 11 नवंबर को सामने आई।

यह था पूरा मामला

चेन्नई में स्थित इस संपत्ति के मूल मालिक पोते के दादा थे। दादा की मृत्यु के बाद उनकी बेटी यानी पोते की बुआ ने 1993 में संपत्ति के बंटवारे का मुकदमा दायर किया। फरवरी 1994 में समझौते के जरिए संपत्ति का बंटवारा हुआ, जिसमें पोते के पिता को भी हिस्सा मिला। इसके बाद पिता ने अप्रैल 1997 में दो सेल डीड के माध्यम से अपना हिस्सा बेच दिया।जनवरी 1994 में जन्मे पोते ने अपनी मां के जरिए 1997 में बंटवारे का मुकदमा दायर किया था। उसका दावा था कि उसे जन्म से ही दादा की संपत्ति में सहदायिक अधिकार प्राप्त है और पहले हुए बंटवारे में उसे शामिल नहीं किया गया। इसलिए उसे भी संपत्ति में आधा हिस्सा मिलना चाहिए।

1986 के फैसले का दिया हवाला

सुप्रीम कोर्ट ने पोते की दलील खारिज करते हुए कहा कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 8 के तहत दादा की संपत्ति उनके क्लास-1 कानूनी वारिसों को मिली थी। इनमें बेटा, बेटी, पत्नी और मां शामिल हैं। इस व्यवस्था के तहत पिता को मिला हिस्सा उनकी व्यक्तिगत संपत्ति बन गया था। ऐसी संपत्ति बच्चों के लिए स्वतः संयुक्त हिंदू परिवार की संपत्ति नहीं बनती।

सोनिया ने 1984 के सिख कत्लेआम पर जनरल वैद्य को ठहराया जिम्मेदार, फूलका ने उठाए सवाल

लुधियाना, एजेंसी। *कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉनिंगः-ए जर्नी ऑफ लव' के 17वें अध्याय में 1984 के सिख विरोधी दंगों को लेकर किए गए खुलासों से पंजाब की राजनीति में विवाद खड़ा हो गया है। सोनिया गांधी ने अपनी किताब में दावा किया है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद दिल्ली में भड़की हिंसा को नियंत्रित करने के लिए सेना बुलाने के आदेश 31 अक्टूबर की रात ही दे दिए गए थे, लेकिन तत्कालीन थल सेनाध्यक्ष जनरल एएस वैद्य ने दिल्ली के नजदीकी सैन्य ठिकानों से सेना बुलाने के बजाय देहरादून से सैन्य टुकड़ियां मंगवाईं। इस फैसले के कारण सेना की तैनाती में देरी हुई और हिंसा पर काबू पाने में समय लगा।*



सोनिया गांधी के इन दावों पर भाजपा नेता और 1984 के सिख दंगा पीड़ितों की ओर से कानूनी लड़ाई लड़ने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता एचएस फूलका ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब दिल्ली में पहले से ही करीब 6100 सैनिक मौजूद थे, तो उन्हें दंगों के दौरान सड़कों पर क्यों नहीं उतारा गया? फूलका ने यह भी सवाल किया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने हिंसा के बाद यह बयान क्यों दिया था कि जब कोई बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती थोड़ी हिलती है। उन्होंने कहा कि इस बयान के जरिए सिखों के नरसंहार को जायज ठहराने की कोशिश की गई थी। ऐसे में केवल सेना की देरी को जिम्मेदार बताकर उस समय की राजनीतिक और प्रशासनिक जवाबदेही से बचा नहीं जा सकता। सोनिया गांधी ने अपनी किताब में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद देशभर में बिगड़े हालात और दिल्ली में भड़की हिंसा का जिक्र करते हुए अपने परिवार का पक्ष रखा है। उन्होंने लिखा है कि 31 अक्टूबर 1984 को इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजधानी सहित देश के कई हिस्सों में तनाव फैल गया था। इस दौरान बड़ी संख्या में सिख समुदाय के लोगों को हिंसा का सामना करना पड़ा। किताब के मुताबिक, प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के तुरंत बाद 31 अक्टूबर की रात राजीव गांधी ने राष्ट्रीय टेलीविजन के माध्यम से देश को संबोधित किया था। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने और संयम बरतने की अपील की थी। सोनिया गांधी का दावा है कि राजीव गांधी ने एक और दो नवंबर को भी अलग-अलग माध्यमों से लोगों से हिंसा रोकने और शांति बनाए रखने की अपील की थी। सोनिया ने लिखा है कि तत्कालीन थल सेनाध्यक्ष जनरल एएस वैद्य को इंदिरा गांधी की हत्या वाली रात ही दिल्ली में सेना तैनात करने के निर्देश दे दिए गए थे।

सोना-चांदी के दामों में बड़ी गिरावट, चांदी 2 हजार रुपये तक सस्ती; शादी वाले घरों को राहत

नई दिल्ली। यशभारत। दीपावली और भाईदूज के त्योहार के बाद सराफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। गुरुवार, 12 नवंबर को कीमती धातुओं के दाम नीचे आने से आम खरीदारों और शादी-विवाह की तैयारी कर रहे परिवारों को राहत मिली है। वायदा बाजार में चांदी की कीमत में करीब 2 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आई, जबकि सोना भी सस्ता हुआ है। शादियों का सीजन शुरू होने से पहले कीमतों में आई इस नरमी से आभूषण खरीदने की योजना बना रहे लोगों को फायदा मिल सकता है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना 689 रुपये गिरकर 1,39,028 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं चांदी की कीमत में 2 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई, जिसके बाद इसका भाव 1,82,700 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया। हाजिर बाजार में चांदी करीब 1,83,510 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार करती नजर आई।

सूपाताल में क्षतिग्रस्त पुलिया बनी हादसों का सबब

दो महीने से खुला चैंबर दे रहा दुर्घटना को आमंत्रण, जिम्मेदार मौन

जबलपुर। रानी दुर्गावती वार्ड अंतर्गत सूपाताल तालाब के पास जल निकासी के लिए नगर निगम द्वारा लगभग एक साल पहले बनवाई गई पुलिया अब स्थानीय रहवासियों के लिए मुसीबत का सबब बन गई है। इस पुलिया का चैंबर पिछले दो महीनों से बुरी तरह क्षतिग्रस्त पड़ा है, लेकिन जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते इसकी सुधि लेने वाला कोई नहीं है।





लोहे की सरिया बाहर, बढ़ा बड़ा खतरा

पुलिया के चैंबर का सारा मसाला पूरी तरह झर चुका है, जिससे उसमें लगी नुकीली लोहे की सरिया बाहर झांक रही हैं। इस मार्ग से रोजाना गुजरने वाले स्कूली बच्चों, दोपहिया चालकों और बुजुर्गों के लिए यह खतरनाक स्थिति किसी बड़े हादसे को खुला आमंत्रण दे रही है। इसके बावजूद निगम प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधि आंखें मूंदे बैठे हैं।

क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि और पार्षद भी इस समस्या को नजरअंदाज कर रहे हैं। दो महीने से क्षतिग्रस्त इस चैंबर की सुधि न लेना नागरिकों की जान से खिलवाड़ है।

क्षेत्रवासियों का फूटा गुस्सा

स्थानीय नागरिकों में प्रशासन की इस लापरवाह कार्यशैली के खिलाफ गहरा आक्रोश व्याप्त है। रहवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। स्थानीय निवासी नरेंद्र संदेले ने चिंता जताते हुए कहा कि खुला हुआ और जर्जर चैंबर कभी भी किसी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकता है, और रात के समय यहां से गुजरना और भी ज्यादा खतरनाक हो जाता है। वहीं, गजेंद्र दूबे का कहना है कि कई बार मौखिक शिकायत करने के बाद भी नगर निगम के कान पर जूं तक नहीं रेंगी है, जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि अधिकारी किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहे हैं। रामू देशराज व मूलचंद चौधरी ने भी अपनी बात रखते हुए कहा कि समय रहते यदि इस पुलिया की मरम्मत नहीं की गई, तो जनता बड़ा कदम उठाने को मजबूर होगी, इसलिए प्रशासन को तुरंत इस ओर ध्यान देना चाहिए।

क्षेत्र की जनता ने एक स्वर में निगम आयुक्त और प्रशासन से अपील की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए इस क्षतिग्रस्त पुलिया की तत्काल मरम्मत कराई जाए।



आरपीएफ का ताबड़तोड़ एक्शन गांजा तस्करों पर शिकंजा

टिकट दलाल गिरफ्तार, चलती ट्रेन के नीचे जाने से महिला को बचाया

जबलपुर यशभारत। जबलपुर रेल मंडल में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने सतर्कता और तत्परता दिखाते हुए एक सप्ताह के दौरान यात्रियों की सुरक्षा से लेकर रेल अपराधों पर अंकुश लगाने तक कई महत्वपूर्ण कार्रवाइयां कीं। 2 से 8 नवंबर के बीच चलाए गए विशेष अभियानों में आरपीएफ ने जहां करीब 2 लाख रुपए के खोए सामान यात्रियों को वापस दिलाए, वहीं गांजा तस्करी के तीन मामलों में 26 किलो से अधिक मादक पदार्थ जब्त कराने में अहम भूमिका निभाई।आरपीएफ की मुस्तैदी से कटनी स्टेशन पर चलती ट्रेन में चढ़ने के दौरान गिर रही महिला यात्री की जान बचाई गई। वहीं दमोह में अवैध टिकट दलाल को पकड़ा गया और जबलपुर में मोबाइल चोरी के प्रयास पर कार्रवाई की गई। ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत अकेले मिले नाबालिग को सुरक्षित बाल कल्याण समिति के सुपुर्द किया गया। इसके अलावा बुजुर्ग महिला यात्री को परिजनों से मिलाने और अवैध पटाखों की ढुलाई रोकने में भी आरपीएफ ने तत्परता दिखाई। इन कार्रवाइयों में आरपीएफ, जीआरपी और सीआईबी के समन्वय ने रेल यात्रियों की सुरक्षा और अपराध नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सनातन परंपरा में त्योहार, उत्सव के साथ परिवार मिलन का भी माध्यमः संदीप जैन



जबलपुर। जबलपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) द्वारा पहली बार अधिकारियों व कर्मचारियों के परिजनों के साथ 'दीपावली परिवार मिलन समारोह' आयोजित किया गया। समारोह में सभी ने आत्मीयता और परिवार भाव के साथ शामिल होकर पर्व की खुशियां साझा कीं।

इस अवसर पर जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन ने कहा कि सनातन परंपरा में त्योहार केवल उत्सव नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, सौहार्द और परिवार से जुड़ाव को मजबूत करने का माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान की वास्तविक शक्ति उसके कर्मचारी हैं और पारिवारिक वातावरण से कार्यसंस्कृति बेहतर होती है। प्रारंभ में उपाध्यक्ष प्रशांत केसरवानी ने इस अनूठी पहल के लिए अध्यक्ष के दृष्टिकोण की सराहना की।

समारोह में भजन प्रवाहक पं. रवि शुक्ला ने अपने सुमधुर भजनों और गीतों से समां बांध दिया। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक के. व्ही. सहित समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं उनके परिजन उपस्थित रहे।

जनजातीय गौरव दिवस समारोह की तैयारियां तेज

मंत्रियों ने बैठक कर लिया गैरिसन ग्राउंड का जायजा





जबलपुर,यश भारत। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर 14 नवंबर को सदर स्थित गैरिसन ग्राउंड में राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह आयोजित होगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह एवं पीएचई मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट में संभागीय समीक्षा बैठक ली और इसके पश्चात समारोह स्थल पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।बैठक में मंत्री श्री शाह ने सिवनी, मंडला, डिंडौरी और कटनी सहित संभाग के अन्य जिलों से जनजातीय समाज की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने परिवहन, भोजन और आवास व्यवस्था के लिए वन विभाग व जिला प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने बैठक व्यवस्था सुचारु रखने हेतु प्रत्येक खंड में पांच स्वयंसेवक तैनात करने तथा युवाओं व विद्यार्थियों को अग्रिम पंक्ति में विशेष टी-शर्ट के साथ बैठाने का सुझाव दिया।कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि संभाग भर से आने वाले प्रतिभागियों के लिए बसों की व्यवस्था की गई है, जो सुबह 11 बजे तक स्थल पर पहुंचेंगी। समारोह में जनजातीय नायकों के चित्रों का लोकार्पण, धर्मगुरुओं का सम्मान और हितलाभ वितरण मुख्य आकर्षण होंगे। इस अवसर पर सांसद आशीष दुबे, विधायकगण, जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

जन-जन तक पहुंचाएंगे जनजातीय नायकों का गौरवः विजय शाह



जबलपुर। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में 11 से 18 नवंबर तक 'जनजातीय गौरव सप्ताह' मनाया जाएगा। भाजपा कार्यालय रानीताल में आयोजित पत्रकार वार्ता में जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह एवं पीएचई मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने बताया कि इस दौरान संगठन, सरकार और समाज मिलकर जनजातीय नायकों के बलिदान और लोकसंस्कृति को जन-जन तक पहुंचाएंगे।मंत्री श्री शाह ने कहा कि 14 नवंबर को जबलपुर, 15 को धार और 16 को खंडवा में राज्य स्तरीय बड़े आयोजन होंगे। इसके अतिरिक्त प्रदेश के सभी जिलों में भव्य सांस्कृतिक रैलियां, स्वच्छता अभियान, छात्रावासों में युवा संवाद और गौरव चौपालें आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने ही रानी दुर्गावती, शंकर शाह-रघुनाथ शाह और टंट्या मामा जैसे जननायकों को वास्तविक सम्मान दिया है। पत्रकार वार्ता में सांसद आशीष दुबे, महानगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल सहित वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा युवा मोर्चा की युवा संवाद रैली आज

जबलपुर, यश भारत। भारतीय जनता युवा मोर्चा महानगर द्वारा जिला अध्यक्ष रविंद्र तिवारी के नेतृत्व में आज भव्य 'युवा संकल्प रैली' का आयोजन किया जा रहा है। युवाओं में नई ऊर्जा और राष्ट्रसेवा का संकल्प जगाने के उद्देश्य से यह रैली दोपहर 1 बजे कांचघर चौक से प्रारंभ होगी।रैली कांचघर से शुरू होकर शीतलामाई, जाट मोहल्ला, छोटी ओमती, बेलबाग, बड़ी ओमती, मालवीय चौक, गोलबाजार और रानीताल चौक होते हुए भाजपा संभागीय कार्यालय पहुंचेगी, जहां इसका समापन होगा।कार्यालय पहुंचने के बाद एक विशेष 'युवा संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें युवाओं के साथ विचार-विमर्श और राष्ट्र निर्माण में उनकी सक्रिय भूमिका पर चर्चा होगी। भाजयुमो जिलाध्यक्ष रविंद्र तिवारी ने महानगर के समस्त युवाओं और कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इस आयोजन को सफल बनाएं।

पराली के नाम पर किसानों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं: आह्वान

जबलपुर। पाटन विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नूनसर में किसानों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पराली प्रबंधन के नाम पर प्रशासन द्वारा अन्नदाताओं को अनावश्यक रूप से परेशान किए जाने पर गहरा रोष व्यक्त किया गया और इस मुद्दे पर आर-पार की लड़ाई लड़ने का निर्णय लिया गया।

कांग्रेस नेता दुर्गेश पटैल ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि एक तरफ पूरा देश त्योहारों की खुशियां मना रहा है, वहीं दूसरी तरफ किसान इस चिंता में डूबा है कि पराली का उचित प्रबंधन कैसे किया जाए। उन्होंने कहा कि देश का अन्नदाता पहले ही महंगाई, खाद-बीज की किल्लत, बिजली और फसलों की समस्याओं से जूझ रहा है। ऐसे विकट समय में पराली के नाम पर किसानों का उत्पीड़न करना किसी भी स्थिति में न्यायसंगत नहीं है।



बैठक में सर्वसम्मति से चेतावनी दी गई कि यदि प्रशासन ने किसानों को प्रताड़ित करना जल्द बंद नहीं किया, तो किसान अपने अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे। दुर्गेश पटैल ने कहा कि किसानों का सम्मान और उनके अधिकार ही हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है, और इसके लिए जल्द ही एक बड़ा जनआंदोलन खड़ा किया जाएगा।

बेटी को गोद में लेकर ड्यूटी पर लौटीं आईपीएस अनु बेनीवाल, 10 सप्ताह बाद संभाली जिम्मेदारी

मैटरनिटी लीव के बाद कार्यालय पहुंचीं जबलपुर की एएसपी, सोशल मीडिया पर साझा किया अनुभव; प्रेग्नेंसी के आखिरी महीने तक सक्रिय रहने की भी चर्चा

जबलपुर, यशभारत। मध्यप्रदेश पुलिस की तेजतर्रार अधिकारियों में शामिल जबलपुर की एएसपी अनु बेनीवाल अपनी नन्ही बेटी को गोद में लेकर एक बार फिर ड्यूटी पर लौट आई हैं। करीब 10 सप्ताह की मैटरनिटी लीव के बाद उन्होंने कामकाज संभाल लिया है। कार्यालय में बेटी के साथ पहुंचीं अनु बेनीवाल ने सोशल मीडिया पर तस्वीर साझा करते हुए अपने अनुभव भी बताए। उनकी वापसी और मां की जिम्मेदारी के साथ पुलिस सेवा में सक्रियता की तस्वीर चर्चा का विषय बनी हुई है।

अनु बेनीवाल ने इंस्टाग्राम पर साझा पोस्ट में लिखा कि दस सप्ताह की मैटरनिटी लीव के बाद वह अपनी नन्ही बेटी के साथ काम पर लौट आई हैं। इस दौरान उन्हें कई रातें बिना सोए बितानी पड़ीं। उन्होंने अपने पोस्ट में यह भी बताया कि इस अवधि में उनका 14 किलो वजन कम हुआ है। उनकी पोस्ट में मातृत्व और पेशेवर जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाने के अनुभव की झलक दिखाई दी।बताया गया है कि अनु बेनीवाल गर्भावस्था के आखिरी महीने तक भी सक्रिय रहीं और नियमित रूप से दौड़ लगाती थीं। अब बेटी के साथ कार्यालय पहुंचने की उनकी तस्वीर सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच रही है। मैटरनिटी अवकाश के बाद काम पर उनकी वापसी को लेकर पुलिस महकमे में भी चर्चा है।

हंगामा कर रहे युवकों को सिक्योरिटी, पुलिस ने खदेड़ा

जीसीएफ विद्यानगर की घटना, यूनियनों ने जताया विरोध

जबलपुर यश भारत। गत दिवस जीसीएफ इस्टेट के तहत विद्यानगर पहाड़ी पर शहर से पिकनिक करने पहुंचे युवकों के द्वारा हंगामा शुरू कर दिया। इस पर विद्यानगर में रहने वाले कर्मचारियों ने इसकी शिकायत सुरक्षा विभाग और पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस और सिक्योरिटी विभाग के गार्डों ने युवकों को वहां से खदेड़ दिया। इस घटना से विद्यानगर निवासियों आक्रोश जताते हुए कहा कि इस्टेट एरिया में आये दिन बाहरी क्षेत्र से लोग निर्बाध आवाजाही कर शांति में खलल डाल रहे हैं।आये दिन हो रही घटनाओं से उनमें असुरक्षा की भावना पनप रही है। इस घटना का यूनियनों ने विरोध करते हुए जीसीएफ प्रबंधन को ज्ञापन देकर अवांछित तत्वों से इस्टेट निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।



बताया जाता है कि गत दिवस शहर के कुछ युवक इकठ्ठा हो कर विद्यानगर पहाड़ी पर पिकनिक मनाने के लिए पहुंचे। खाने-पीने के दौरान युवक हंगामा करने लगे जिससे वहां के निवासियों की शांति में खलल पड़ने लगा। उन्होंने तुरंत पुलिस के साथ जीसीएफ के सिक्योरिटी विभाग को सूचना दी। सूचना पर पुलिस और सिक्योरिटी विभाग के गार्डों ने उन्हें डांट डपट कर भगा दिया। जीसीएफ की यूनियनों ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रबंधन को पत्र सौंप कर कहा कि कभी इस्टेट एरिया सुरक्षित समझा जाता था लेकिन अब यहां आये दिन अवांछित तत्वों ने अपनी गतिविधियों को बढ़ा दिया है। बता दें कि गत वर्ष विद्या नगर में ही सुबह घूमने निकली महिला सोने के आभूषण को अज्ञात तत्व ले उड़े थे।उनका आज तक पता नहीं चला।

कलेक्टर ने किया नया कार्य विभाजन

नीता व अखिलेश को ग्रामीण तथा राय व शैलेन्द्र को शहर की जिम्मेदारी

जबलपुर, यशभारत। प्रशासनिक कार्य सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अरुण कुमार विश्वकर्मा ने जिले में पदस्थ अपर कलेक्टरों के मध्य पूर्व में किए गए कार्य विभाजन को निरस्त करते हुए नवीन कार्य विभाजन आदेश जारी किया है।

नये कार्य विभाजन आदेश में राज्य प्रशासनिक सेवा की अधिकारी श्रीमती नीता राठौर को अपर कलेक्टर एवं अपर जिला दंडाधिकारी, ग्रामीण-1 बनाया गया है। उन्हें उपखण्ड जबलपुर ग्रामीण, शहपुरा एवं कुण्डम क्षेत्र के न्यायालयीन कार्य सौंपे गए हैं। श्रीमती राठौर सामान्य निर्वाचन, सूचना का अधिकार, सीएम हेल्पलाइन, समाधान ऑनलाइन, जनसुनवाई, यूसीसी, धर्मस्व, खेल एवं युवक कल्याण, परिवहन तथा लोकायुक्त, मानवाधिकार आयोग, अजा-अजजा आयोग, महिला आयोग एवं अन्य आयोग से जुड़े कार्य भी देखेंगी।राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अखिलेश सिंह अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दंड़ाधिकारी ग्रामीण-2 का दायित्व संभालेंगे। श्री अखिलेश सिंह को सिहोरा एवं पाटन उपखण्ड क्षेत्र के न्यायालयीन कार्यों की जिम्मेदारी दी गई है। उनके पास कलेक्टर कार्यालय की वित्त, राहत एवं आपदा प्रबंधन, नागरिक सुरक्षा एवं होमगार्ड, भू-अर्जन, लीगल सेल और बैंक वसूली, सत्कार शाखा, पुरातत्व, पुनर्वास, तकनीकी और उच्च शिक्षा, केंद्रीय विद्यालय एवं उत्कृष्ट विद्यालय तथा राजस्व अभिलेखागार शाखा का प्रभार भी रहेगा।कार्य विभाजन आदेश में राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी रविशंकर राय को अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दंड़ाधिकारी शहर-एक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। श्री राय नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत अधारताल एवं गोरखपुर उपखण्ड के न्यायालयीन कार्य देखेंगे। उन्हें माफिया विरोधी अभियान का नोडल भी बनाया गया है। जिला कोषालय, नजूल भूमि प्रबंधन, नगर सीलिंग भूमि प्रबंधन, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन, जिला शहरी विकास अभिकरण, उद्योग, निजी विद्यालयों से संबंधित शिक्षा से जुड़े मामले तथा विदेशी नागरिकों को भारतीय नागरिकता देने संबंधी प्रकरण भी इनके क्षेत्राधिकार में रहेंगे।भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी शैलेन्द्र सिंह को नये कार्य विभाजन आदेश में अपर कलेक्टर एवं अपर जिला दंड़ाधिकारी शहर-2 का दायित्व दिया गया है। उन्हें नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत रांझी उपखण्ड के न्यायालयीन कार्य सौंपे गए हैं। श्री सिंह को कलेक्टर कार्यालय की शस्त्र अनुज्ञा, सैनिक कल्याण, रेडक्रॉस, स्थानीय निर्वाचन, विभागीय जांच, भू-संसाधन प्रबंधन, दंगा पीड़ित, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं लोकतंत्र सेनानी, सहकारिता, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, वेयरहाउसिंग, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक तथा कृषि उपज मंडी शाखा का प्रभार भी सौंपा गया है।नये कार्यविभाजन आदेश में जिला पंचायत के सीईओ अभिषेक गेहलोत को ग्रामीण यांत्रिकी, योजना मंडल, योजना एवं सांख्यिकी, पंचायत एवं समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, शिक्षा एवं जिला समन्वयक, एकलव्य और नवोदय विद्यालय, अनुसूचित जाति एवं जनजाति, आयुष, पीएचई, स्वास्थ्य, लोक सेवा प्रबंधन, कॉलोनी सेल, श्रम और मुख्यमंत्री की घोषणाओं के क्रियान्वयन जैसे महत्वपूर्ण कार्य सौंपे गए हैं।

फाइलें अटकाने पर स्वास्थ्य अधिकारी पर कारवाही की तैयारी

800 आउटसोर्स कर्मियों का वेतन रोकने पर कलेक्टर सख्त, डीपीएम-डीएएम जांच के घेरे में



जबलपुर,यश भारत । जिले के सरकारी अस्पतालों में सेवाएं दे रहे करीब 800 आउटसोर्स स्वास्थ्यकर्मियों का अक्टूबर माह तक का वेतन अटकने पर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। शासन से बजट आवंटित होने और अधिकृत एजेंसी 'सेडमैप' को राशि स्थानांतरित किए जाने के बावजूद कर्मचारियों के खातों में पैसा नहीं पहुंचने पर कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने गहरी नाराजगी जताई है। उन्होंने सीएमएचओ डॉ. नवीन कोठारी को इस गंभीर लापरवाही की जांच कर दोषियों की जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए हैं।

कागजी लेटलतीफी बनी रोड़ा, दो प्रबंधकों की बढ़ी मुश्किलें

विभागीय समीक्षा में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि राशि जारी होने के बाद भी स्थानीय स्तर पर आवश्यक कागजी औपचारिकताएं समय पर पूरी नहीं की गईं। भुगतान संबंधी फाइलों के निपटारे में हुई इस देरी को लेकर अब जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) और जिला लेखा प्रबंधक (डीएएम) की कार्यप्रणाली सीधे तौर पर जांच के दायरे में आ गई है। सीएमएचओ ने दोनों अधिकारियों के दैनिक कार्यों, फाइलों के संधारण और भुगतान प्रक्रिया में हुए विलंब की पड़ताल शुरू कर दी है।

कर्मचारियों में आक्रोश, कार्रवाई की तैयारी

समय पर मानदेय न मिलने से अल्पवेतनभोगी आउटसोर्स कर्मचारियों के सामने गहरा आर्थिक संकट खड़ा हो गया है, जिससे अमले में भारी रोष है। इस संबंध में मध्यप्रदेश संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष दीपक करसा ने भी प्रशासन से शिकायत कर जल्द भुगतान की मांग उठाई थी। प्रशासन का मानना है कि बजट उपलब्ध होने के बाद भी कर्मचारियों को वेतन से वंचित रखना अक्षम्य लापरवाही है। जांच रिपोर्ट आते ही जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त विभागीय कार्रवाई की गाज गिर सकती है।

सरकारी वाहनों की खरीद नीति में बदलावः अब ईव्ही वाहनों पर जोर

जबलपुर, यशभारत। भारत सरकार ने इलेक्ट्रिक (गतिशीलता) को बढ़ावा देने, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने और बाजार की वर्तमान कीमतों व वाहनों की जीवनचक्र लागत को ध्यान में रखते हुए सरकारी विभागों और मंत्रालयों के लिए स्टाफ कारों (स्टाफ वाहनों) की खरीद और किराए पर लेने के नियमों में संशोधन किया है। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग द्वारा कर्तव्य भवन, नई दिल्ली से 10 नवं. को यह कार्यालय ज्ञापन जारी किया गया है।

संशोधित दिशा-निर्देशों के अनुसार, स्टाफ कारों की खरीद के लिए नेट डीलर प्राइस की अधिकतम सीमा तय की गई है। अब इलेक्ट्रिक वाहन बीस लाख रुपये तक, इंटरनल कॉम्बशन इंजन वाहन (पेट्रोल/डीजल/हाइब्रिड वाहन सहित)दस लाख रुपये तक के खरीदे जा सकते हैं।

EV की खरीद को प्राथमिकता

नई व्यवस्था के तहत, मंत्रालयों और विभागों को निर्देश दिया गया है कि वे अपनी मौजूदा ICE (पेट्रोल/डीजल) स्टाफ कारों के बेकार होने या उनके बदले नई गाड़ियां लेते समय सामान्य रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों (EVs) की ही खरीद करें। खरीद के लिए



EV ही डिफ़ॉल्ट और पसंदीदा विकल्प होगा।

ICE वाहन की खरीद पर शर्तें

यदि कोई मंत्रालय या विभाग यह मानता है कि EV की खरीद या तैनाती व्यावहारिक नहीं है और वह पेट्रोल/डीजल (ICE) वाहन खरीदना चाहता है, तो उसे उचित औचित्य के साथ एक प्रस्ताव व्यय विभाग को भेजना होगा। ऐसे प्रस्ताव पर प्रशासनिक मंत्रालय/विभाग के सचिव के अनुमोदन और वित्तीय सलाहकार की सहमति के बाद मामले-दर-मामले के आधार पर छूट दी जा सकती है।ये नए निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए गए हैं।



छठ पूजा पर अधारताल तालाब में होगी बैलून बैरिकेडिंग

जबलपुर, यश भारत। छठ महापर्व पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर उत्तर प्रदेश-बिहार महासंघ द्वारा प्रशासन के साथ लगातार समन्वय किया जा रहा है। पूर्व में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू को ज्ञापन सौंपकर शहर के छठ पूजा स्थलों पर साफ-सफाई, प्रकाश, पेयजल और अन्य व्यवस्थाओं की मांग की गई थी। महापौर के निर्देश पर नगर निगम द्वारा व्यवस्थाओं को लेकर कार्य भी शुरू किया गया है। इसी क्रम में बुधवार को महासंघ के पदाधिकारियों ने एडिशनल एसपी मनीष भारद्वाज से मुलाकात कर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग रखी।एडिशनल एसपी मनीष भारद्वाज ने महासंघ के पदाधिकारियों को आश्वस्त किया कि छठ पूजा के दौरान पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। घाटों पर एसडीआरएफ की टीम लाइफ जैकेट और बोट के साथ तैनात रहेगी, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल बचाव कार्य किया जा सके।महासंघ ने अधारताल तालाब में पानी का स्तर कम होने के कारण श्रद्धालुओं के डूबने की आशंका को देखते हुए पानी में बैलून के माध्यम से बैरिकेडिंग कराने की मांग भी रखी। इस पर एडिशनल एसपी ने होमगार्ड विभाग से समन्वय कर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित कराने का आश्वासन दिया।

स्वामित्व योजनाः शुरुआती चुनौतियों के बाद तेजी से हो रहा काम

जिले में 137838 का टारगेट 67,222 स्वामित्व रजिस्ट्रियां पूर्ण

जबलपुर, यश भारत।जिले में ग्रामीण और शहरी संपत्तियों के स्वामियों को उनका मालिकाना हक दिलाने वाली महत्वाकांक्षी 'स्वामित्व योजना' के तहत रजिस्ट्री का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रशासन की सक्रियता और सतर्क कार्यशैली के चलते अब तक जिले में कुल 67,222 स्वामित्व रजिस्ट्रियां सफलतापूर्वक पूर्ण की जा चुकी हैं। इस योजना के तहत कुल 1,37,838 फार्म रजिस्ट्रियों का कुल लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसे पूरा करने के लिए प्रशासनिक अमला पूरी मुस्तैदी से जुटा हुआ है ।

पटरी पर आया काम

उल्लेखनीय है कि जब यह महत्वपूर्ण कार्य प्रारंभ हुआ था, तब शुरुआती दौर में पटवारियों द्वारा प्रदेश स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया गया था, जिसके कारण लगभग 15 दिनों तक कार्य में गतिरोध बना रहा। इस शुरुआती व्यवधान के ठीक बाद दीपावली का अवकाश आ जाने के कारण कामकाज प्रभावित हुआ था। इन तमाम परिस्थितियों के चलते जिले में मैदानी स्तर पर वास्तव में अभी कुल मिलाकर लगभग 10 दिन ही प्रभावी रूप से कार्य हो पाया है। इन सीमित और शुरुआती 10 दिनों के भीतर जितनी बड़ी संख्या में रजिस्ट्रियां संपन्न हुई हैं, वे प्रशासनिक दृष्टिकोण से बेहद संतोषजनक और उत्साहजनक हैं।



तकनीकी अड़चनें और समाधान

स्वामित्व योजना के तहत कार्य में कुछ स्थानों पर सर्वर की धीमी रफ्तार के कारण बाधा आ रही है। इसके अलावा, समग्र आईडी में ई-केवाईसी का अधूरा होना तथा आधार, समग्र पोर्टल और राजस्व रिकॉर्ड (भू-अधिकार पत्र) में मोबाइल नंबरों की एकरूपता न होने के कारण भी प्रक्रिया में कुछ समय लग रहा है। प्रशासन इन तकनीकी समस्याओं के त्वरित निराकरण में जुटा है।

प्रशासनिक सतर्कता

कम समय और शुरुआती अड़चनों के बावजूद प्रशासनिक अधिकारियों की कड़ी निगरानी और सतर्कता के कारण यह कार्य निर्धारित गति पकड़ चुका है। जिला प्रशासन पूरी पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ यह सुनिश्चित कर रहा है कि पात्र हितग्राहियों को तय समय सीमा में उनकी संपत्तियों के स्वामित्व का अधिकार मिल सके। अधिकारियों का मानना है कि आगामी दिनों में इस रफ्तार और अधिक तेजी लाई जाएगी ताकि सभी लक्षित कार्य समय पर पूरे हो सकें।

तहसीलवार अब तक की प्रगति

आंकड़ों के अनुसार, जिले की विभिन्न तहसीलों में स्वामित्व योजना के अंतर्गत कार्य सुचारू रूप से चल रहा है:

* गोरखपुर (नगरीय): 698 रजिस्ट्रियां पूर्ण
* रांझी (नगरीय): 53 रजिस्ट्रियां पूर्ण
* शहपुराः 8,539 रजिस्ट्रियों पूर्ण
* पोंडाः 6,092 रजिस्ट्रियां पूर्ण
* पनागरः7,917 रजिस्ट्रियों पूर्ण
* सिहोराः 9,234 रजिस्ट्रियां पूर्ण
* मझौलीः 5,276 रजिस्ट्रियां पूर्ण
* कटंगीः 4,801 रजिस्ट्रियों पूर्ण
* कुंडमः 7,101 रजिस्ट्रियां पूर्ण
* जबलपुर (ग्रामीण): 9,051 रजिस्ट्रियां पूर्ण
* पाटनः 8,460 रजिस्ट्रियों पूर्ण

पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों से छात्रवृत्ति के लिए आवेदन आमंत्रित

जबलपुर। राज्य शासन के पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए 'मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना' की आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस योजना के तहत पिछड़ा वर्ग के प्रतिभावान विद्यार्थियों को विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।सहायक संचालक आशीष दीक्षित ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में कुल 50 निर्धारित सीटों पर पात्र अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। इच्छुक विद्यार्थी विभाग के आधिकारिक पोर्टल mpom.mp.gov.in](https //mpom.mp.gov.in) के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। पात्रता, आवश्यक दस्तावेज और चयन मापदंड की विस्तृत जानकारी भी पोर्टल पर उपलब्ध है।चयन प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से होगी। पहले एक माह में प्राप्त आवेदनों को फ्रीज कर प्रथम चरण की जांच शुरू की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी व सुझावों का भारतीय किसान संघ ने किया स्वागत

पराली प्रदूषण के नाम पर किसान को प्रताड़ित करना बंद करें सरकारें

जबलपुर यशभारत। दिल्ली-NCR के बढ़ते वायु प्रदूषण के मामले पर सुप्रीम कोर्ट (मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ) द्वारा पराली और किसानों को लेकर दी गई महत्वपूर्ण टिप्पणियों और सुझावों का देश के सबसे बड़े किसान संगठन, भारतीय किसान संघ ने सहर्ष स्वागत किया है।

?सर्वोच्च न्यायालय की सुनवाई पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्र ने कहा कि देश का शीर्ष न्यायालय प्रदूषण को लेकर अत्यंत गंभीर और चिंतित है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा केवल किसानों को प्रदूषण का जिम्मेदार ठहराने पर उठाई गई कड़ी आपत्ति से यह स्पष्ट हो गया है कि किसान प्रदूषण का मुख्य कारण



नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अब राज्य सरकारों को कागजी कार्यवाही छोड़कर जमीनी स्तर पर प्रदूषण के वास्तविक कारणों की पहचान कर समाधान तलाशने चाहिए, न कि हर बार किसान को बलि का बकरा बनाना चाहिए।

श्री मिश्र ने कोर्ट के सुझावों का जिक्र करते हुए कहा कि जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने कोविड-19 का उदाहरण देते हुए बताया है कि लॉकडाउन के दौरान भी पराली जल रही थी, फिर भी दिल्ली का आसमान बिल्कुल साफ था, जो यह दर्शाता है कि प्रदूषण के पीछे अन्य बड़े कारक जिम्मेदार हैं।

गाड़ियां हैं प्रदूषण की मुख्य कारक

राघवेन्द्र सिंह पटेल ने कहा कि हम पहले से ही कहते आ रहे हैं कि उद्योग व गाड़ियां ही प्रदूषण की मुख्य जनक हैं। इसके लिए किसानों को निशाना बनाना अनुचित है। राज्य सरकारों व प्रशासन को सुप्रीम कोर्ट के सुझावों पर अमल करते हुए उत्सर्जन तथा वाहनों के धुएं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।भारतीय किसान संघ ने पुरजोर मांग उठाई है कि सरकारें पराली के नाम पर किसानों पर लगाए गए सभी जुर्माने और दर्ज की गई स्रद्धक्रको तत्काल प्रभाव से निरस्त करे।

माल परिवहन में जबलपुर रेल मंडल का उत्कृष्ट प्रदर्शन

जबलपुर यशभारत। माल परिवहन के क्षेत्र में जबलपुर रेल मंडल द्वारा चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया गया है। मंडल ने 1 अप्रैल से 31 अक्टूबर तक कुल 25.62 मिलियन टन माल का परिवहन कर 2,567.93 करोड़ का माल भाड़ा राजस्व अर्जित किया है। यह उपलब्धि मंडल में माल परिवहन गतिविधियों के प्रभावी संचालन एवं वाणिज्यिक कार्यों में निरंतर प्रगति को दर्शाती है।इसी क्रम में अक्टूबर माह के दौरान मंडल द्वारा 3.73 मिलियन टन माल का परिवहन किया गया, जिससे 392.66 करोड़ का माल भाड़ा राजस्व प्राप्त हुआ।वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशांक गुप्ता के नेतृत्व में जबलपुर रेल मंडल द्वारा माल परिवहन को प्रोत्साहित करने, माल ग्राहकों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने तथा माल लदान एवं परिवहन गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।रेल प्रशासन द्वारा माल परिवहन के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं का लाभ उठाते हुए परिचालन दक्षता एवं ग्राहक सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। मंडल का प्रयास है कि रेल मार्ग से अधिकाधिक माल परिवहन को प्रोत्साहित कर व्यापार एवं उद्योग जगत को विश्वसनीय, सुरक्षित और किफायती परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा द्वारा भगवान श्री चित्रगुप्त जी का भव्य पूजन

जबलपुर। यम द्वितीया के पावन अवसर पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा द्वारा कायस्थ कुलदेव भगवान श्री चित्रगुप्त जी का विशेष पूजन, हवन एवं सामूहिक महाआरती का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने एकत्र होकर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान चित्रगुप्त की आराधना की और सुख-समृद्धि की कामना की।इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव ने सभी को पर्व और दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि त्योहार जीवन में नई ऊर्जा का संचार करते हैं। उन्होंने कहा कि हमें कायस्थ कुल में जन्म लेने पर गर्व है और समाज की उत्तरोत्तर प्रगति के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करना हमारा दायित्व है, ताकि समाज का प्रत्येक व्यक्ति लाभान्वित हो सके और समाज एक सबल एवं सुदृढ़ रूप में आगे बढ़े।कार्यक्रम में



प्रदेश महासचिव सुनील श्रीवास्तव, जिलाध्यक्ष संतोष श्रीवास्तव, विवेक खरे, गौरव श्रीवास्तव, सुधीर खरे, बच्चन श्रीवास्तव, शैलेन्द्र श्रीवास्तव, सत्येन्द्र श्रीवास्तव, आलोक श्रीवास्तव, नीलेश भटनागर, राजेन्द्र श्रीवास्तव, शिखा भटनागर, प्रभा श्रीवास्तव, शालिनी निगम, बीना श्रीवास्तव, एड. हिमांशु खरे, विजय खरे एवं नवनीत श्रीवास्तव सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे।

दिव्यांग रेल कर्मचारियों को मिली उपयोगी सहायक सुविधाएँ

जबलपुर यशभारत। जबलपुर रेल मंडल द्वारा रेल कर्मचारियों के कल्याण, सुविधा एवं सामाजिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निरंतर विभिन्न कल्याणकारी गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में कर्मचारी हित निधि उप समिति, जबलपुर मंडल द्वारा दिव्यांग कर्मचारियों को उनकी दैनिक आवश्यकताओं एवं कार्यगत सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सहायक उपकरण प्रदान किए गए।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा के मुख्य आतिथ्य एवं करकमलों से जबलपुर मंडल के लेवल-1 के 6 दिव्यांग कर्मचारियों को कर्मचारी



हित निधि के माध्यम से ई-स्कूटी प्रदान की गई।ई-स्कूटी एवं स्मार्ट ग्लास का वितरण जबलपुर रेल मंडल की उस सकारात्मक सोच और प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक कर्मचारी को उसकी आवश्यकता के अनुरूप सुविधाएँ उपलब्ध कराने तथा कार्यस्थल पर समान अवसर एवं सम्मानजनक वातावरण सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कर्मचारी हित निधि के माध्यम से किए जा रहे ऐसे प्रयास न केवल कर्मचारियों की व्यावहारिक आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं, बल्कि उनमें आत्मविश्वास, स्वावलंबन एवं बेहतर जीवनशैली को भी प्रोत्साहित करते हैं। उक्त कार्यक्रम में वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी वरुण चतुर्वेदी, सहायक कार्मिक अधिकारी (कल्याण) सचि पति नंदन, कर्मचारी हित निधि उप समिति के सदस्य हर्ष वर्मा,विकास कुमार जे.पी. गुप्ता अरविंद कुमार तथा मुख्य कर्मचारी कल्याण निरीक्षक श्री रविंद्र त्रिपाठी उपस्थित रहे।इस अवसर पर ई-स्कूटी एवं स्मार्ट ग्लास प्राप्त करने वाले दिव्यांग कर्मचारियों ने मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा एवं कर्मचारी हित निधि उप समिति के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस सराहनीय पहल के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।



चिंतन-मनन

तपती धरती, बेबस इंसान और खामोश दुनिया

जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की कोई आशंका नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे बड़ी वैश्विक चुनौती बन चुका है। बढ़ता तापमान, बेमौसम बारिश, भीषण गर्मी, सूखा, बाढ़ और विनाशकारी तूफान इस बात के प्रमाण हैं कि प्रकृति का संतुलन तेजी से बिगड़ रहा है। इसका असर केवल पर्यावरण पर नहीं, बल्कि आम आदमी के स्वास्थ्य, रोजगार, खेती, खाद्य सुरक्षा और जीवनयापन पर भी पड़ रहा है। विडंबना यह है कि जलवायु संकट के लिए सबसे कम जिम्मेदार गरीब और विकासशील देशों के लोग ही इसके सबसे गंभीर परिणाम भुगत रहे हैं। तुर्किये के अंताल्या में आयोजित कॉप-31 जलवायु सम्मेलन से एक बार फिर दुनिया को बड़ी उम्मीदें हैं। उत्सर्जन में कटौती, स्वच्छ ऊर्जा, जलवायु अनुकूलन और विकासशील देशों को आर्थिक सहायता जैसे मुद्दों पर चर्चा महत्वपूर्ण जरूर है, लेकिन सवाल यह है कि क्या इन चर्चाओं का परिणाम धरातल पर दिखाई देगा? पिछले कई सम्मेलनों में बड़े-बड़े संकल्प लिए गए, लेकिन कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण और जलवायु वित्त की उपलब्धता जैसे मोर्चों पर अपेक्षित प्रगति नहीं हुई। अब केवल घोषणाओं से काम चलने वाला नहीं है।

भारत ने सम्मेलन में समानता और साझा लेकिन अलग-अलग जिम्मेदारियों के सिद्धांत पर जोर देकर एक महत्वपूर्ण पक्ष रखा है। विकसित देशों ने औद्योगिक विकास के लंबे दौर में भारी मात्रा में कार्बन उत्सर्जन किया है। ऐसे में विकासशील देशों पर समान जिम्मेदारी थोपना न्यायसंगत नहीं होगा। जलवायु न्याय की मांग है कि विकसित देश अपनी ऐतिहासिक जिम्मेदारी स्वीकारें और विकासशील देशों को तकनीक तथा पर्याप्त वित्तीय सहायता उपलब्ध कराएं। भारत जैसे देशों के सामने विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाने की चुनौती है।

इस संकट का सबसे भयावह पहलू इसकी मानवीय कीमत है। भीषण गर्मी में खुले आसमान के नीचे काम करने वाला मजदूर, सूखे से जूझता किसान और पेयजल के लिए परेशान ग्रामीण परिवार जलवायु परिवर्तन की वास्तविक मार झेल रहे हैं। गर्मी के कारण भारत में 2024 के दौरान 247 अरब संभावित श्रम घंटे नष्ट होने का अनुमान बताता है कि यह संकट अर्थव्यवस्था को भी कमजोर कर रहा है। गरीब परिवारों के लिए मौसम की मार केवल असुविधा नहीं, बल्कि रोजी-रोटी और जीवन के बीच संघर्ष बनती जा रही है।

इसलिए जलवायु नीति का केंद्र आम आदमी होना चाहिए। शहरों में हरित क्षेत्र और जल संरक्षण बढ़ाना, स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहित करना, किसानों को मौसम के अनुरूप तकनीक उपलब्ध कराना और श्रमिकों को गर्मी से सुरक्षा देना अब प्राथमिकता होनी चाहिए। स्वास्थ्य सेवाओं को भीषण गर्मी और मौसमी बीमारियों से निपटने के लिए तैयार करना होगा। जलवायु परिवर्तन से मुकाबला केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज और प्रत्येक नागरिक की साझा जवाबदेही भी है। कॉप-31 की असली सफलता समझौतों की संख्या से नहीं, बल्कि उनके परिणामों से तय होगी। दुनिया को यह समझना होगा कि प्रकृति के साथ टकराव में अंततः मानव सभ्यता ही पराजित होगी। अब समय संकल्प दोहराने का नहीं, उन्हें जमीन पर उतारने का है।

कड़वे वचन



बुजुर्गों से कहूंगा। तुम्हारा बेटा लायक है। भगवान करे और भी लायक बनें। अपने लायक बेटे को जीवन में अर्जित की सम्पत्ति को बेशक दे देना। मगर अपने लिए इतनी जरूर बचा लेना कि कल को तुम्हें उसके सामने हाथ न फैलाना पड़े। यह कलयुग है मेरे भाई! लायक कब नालायक हो जाए कुछ पता नहीं अगर पुत्र मोह में सब लुटा बैठे तो आंसू बहाना तुम्हारी नियति बन जाएगी।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांग:-12 नवम्बर, 2026
दिन-गुरुवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष
लॉटरी जुए शराब बस अड्डे से दूर रहें शरीर साथ नहीं देगा तांबे के पात्र में जल पिए

वृष
प्रेम प्रसंग में जोखिम न लें पुराना रोग उभर सकता है प्राणायाम करें

मिथुन
लाभ के अवसर हाथ आएंगे व्यापारिक यात्रा सफल होगी गणेश जी का पूजन करें

कर्क
आशंका के चलते निर्णय प्रभावित होंगे योजना में परिवर्तन होगा भगवान चंद्र का पूजन करें

सिंह
रोमांस के मामले में खुशनुमा माहौल पूजा पाठ में मन लगेगा देवी दुर्गा का पूजन करें

कन्या
पिता से नाराजगी रह सकती है मित्रों से उपहार मिलेगा हरे रंग की वस्तुएं दान करें

तुला
कार और व्यापारिक क्षेत्र में बाधा रहेगी उन्माद का वातावरण बनेगा सेहत का ध्यान रखें देवी को सफेद मिठाई का भोग लगाएं

वृश्चिक
झुंझलाहट रहेगी शाम को मनोरंजन रहेगा हनुमान जी की आराधना करें

धनु
उपेक्षित महसूस होगा रात के समय मौज मस्ती में बीतेगा इलायची का सेवन करें

मकर
सहयोग की कमी रहेगी कलह बढ़ेगी मन को शांत रखें पीपल में दिया जलाएं

कुंभ
भविष्य के लिए मार्गदर्शन मिलेगा समय की कमी रहेगी वट वृक्ष का पूजन करें

मीन
साहसिक भावना बढ़ेगी शहद प्रकृति रखें सफलता मिलेगी गुरु को उपहार दें

या डिजिटल निर्भरता देश की नई कमजोरी बन रही है?

कभी धुआँ, गोलियाँ, लड़ाकू विमान और सरहदों पर आमने-सामने खड़ी सेनाएँ युद्ध की पहचान थीं। लेकिन अब युद्ध का तरीका बदल चुका है। न सैनिक दिखाई देते हैं, न हथियारों की आवाज सुनाई देती है। एक डिजिटल हमला हजारों किलोमीटर दूर से आपके घर की रसोई तक असर पहुँचा सकता है। कंप्यूटर पर कुछ अंकों में बदलाव से फ्रिज का तापमान बढ़ सकता है और उसमें रखा भोजन खराब हो सकता है। अब दुश्मन को घर में घुसने या सीमा पार करने की जरूरत नहीं, वह दूर बैठकर ही आपकी रोजमर्रा की जरूरतों को प्रभावित कर सकता है। अक्टूबर 2026 में फ्रांस के सुपरमार्केटों में हुई घटना ने युद्ध के इस नए स्वरूप की झलक दिखाई, जिसकी कल्पना कुछ वर्ष पहले तक विज्ञान-कथा में ही की जाती थी।



फ्रांस में करीब 700 सुपरमार्केट और व्यावसायिक प्रतिष्ठान साइबर हमले की चपेट में आए। अक्टूबर की एक रात हमलावरों ने रेफ्रिजरेशन सिस्टम का तापमान दूर से बढ़ा दिया। कुछ इकाइयों में यह 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच गया, जिससे मांस, दूध और अन्य खाद्य सामग्री खराब हो गई। कम से कम 15 स्थानों पर आग लगी और लाखों यूरो का खाद्य भंडार नष्ट हुआ। नवंबर 2026 की शुरुआत में फ्रांसीसी अधिकारियों ने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स से जुड़ी साइबर इकाई च्शाहीद कावेहज पर हमले का आरोप लगाया। जाँच में फारसी भाषा और ईरानी इंटरनेट पतों के संकेत मिले। फ्रांस ने ईरानी राजदूत को तलब कर यूरोपीय प्रतिबंधों की पहल की। ईरान ने आरोपों को निराधार बताया। स्वतंत्र पुष्टि अभी शेष है।

इस घटना का दायरा फ्रांस और ईरान के बीच राजनयिक विवाद तक सीमित नहीं है। अब तक साइबर युद्ध को बैंकिंग नेटवर्क में सेंध लगाने, सरकारी वेबसाइटें ठप करने, गोपनीय जानकारियाँ चुराने और संचार व्यवस्था बाधित करने तक समझा जाता था। लेकिन फ्रांस की घटना ने स्पष्ट कर दिया कि डिजिटल हमले का असर वास्तविक दुनिया में आग, भारी आर्थिक क्षति और खाद्य संकट के रूप में सामने आ सकता है। यानी कंप्यूटर पर शुरू हुई कार्रवाई सीधे आम आदमी के जीवन और जरूरतों को प्रभावित कर सकती है। अब चिंता केवल पासवर्ड चोरी की नहीं, बल्कि लोगों की थाली तक भोजन पहुँचने की है।

इस हमले की सबसे चिंताजनक बात यह है कि इसके लिए किसी जटिल हथियार की जरूरत नहीं पड़ी। सुपरमार्केटों में लगे डैनफॉस जैसे तापमान नियंत्रकों के वेब इंटरफेस इंटरनेट पर खुले थे। कमजोर या डिफॉल्ट पासवर्ड और सुरक्षा की कमी ने हमलावरों के लिए इन तक पहुँच आसान बना दी। भोजन सुरक्षित रखने वाले उपकरण ही विनाश का जरिया बन गए। जिस फ्रिज का काम भोजन बचाना था, उसकी डिजिटल कमजोरी ने वही भोजन नष्ट कर दिया। इससे स्पष्ट है कि आधुनिक तकनीक की कसौटी केवल उसकी स्मार्टनेस नहीं, बल्कि उसकी सुरक्षा भी है।

भारत इस घटना को यूरोप की समस्या मानकर नजरअंदाज नहीं कर सकता। हमारी खाद्य व्यवस्था कोल्ड चेन पर निर्भर है। खेत से मंडी, गोदाम और प्रसंस्करण इकाई तक दूध, फल, सब्जियाँ, मांस और मछली सुरक्षित पहुँचाने में तापमान नियंत्रित भंडारण अहम है। शहरीकरण, लंबी आपूर्ति श्रृंखलाओं और बदलते मौसम ने इसकी जरूरत बढ़ा दी है। यदि किसी बड़े शहर के कई कोल्ड स्टोरेज एक साथ हैक हो जाएँ, तो हजारों टन खाद्य सामग्री नष्ट हो सकती है। आपूर्ति घटने से कीमतें बढ़ेंगी, छोटे व्यापारी कर्ज में डूबेंगे और परिवारों का बजट बिगड़ेगा। खाद्य संकट केवल फसल की कमी से नहीं, तकनीकी लापरवाही से गोदामों में रखा भोजन नष्ट होने से भी पैदा हो सकता है।

भारत के लिए यह चुनौती इसलिए भी गंभीर है कि कृषि, खाद्य प्रसंस्करण और उद्योगों में बड़ी संख्या में विदेशी कंपनियों के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर से बने उपकरण इस्तेमाल हो रहे हैं। विदेशी तकनीक अपने आप में खतरा नहीं, लेकिन उसके संचालन, रखरखाव और सुरक्षा पर पूरा नियंत्रण न होना जोखिम जरूर है। बिजली ग्रिड, बैंकिंग नेटवर्क और सरकारी पोर्टल पहले ही साइबर हमलों का निशाना बन चुके हैं। अब खाद्य आपूर्ति श्रृंखला भी इसकी चपेट में आ सकती है। बड़े सुपरमार्केट से लेकर कसाई की दुकानों और छोटे किराना कारोबारियों तक, इंटरनेट से जुड़े रेफ्रिजरेशन उपकरण साइबर हमले का रास्ता बन सकते हैं।

यहाँ सबसे अहम सवाल है–क्या तकनीकी सुविधा के साथ सुरक्षा भी सुनिश्चित की गई है? दूर से मशीनें चलाना आसान है, लेकिन गलत हाथों में उनका नियंत्रण संकट बन सकता है। भारत को खाद्य सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा मानना होगा। कोल्ड स्टोरेज और रेफ्रिजरेशन नियंत्रकों को सार्वजनिक इंटरनेट के बजाय सुरक्षित नेटवर्क से जोड़ा जाए। डिफॉल्ट पासवर्ड बदले जाएँ, बहुस्तरीय प्रमाणीकरण अपनाया जाए, सॉफ्टवेयर अपडेट हों और तापमान में असामान्य बदलाव पर अलार्म बजे। मशीनों की डिजिटल और भौतिक सुरक्षा सुनिश्चित हो। छोटे दुकानदारों के लिए भी सरल और किफायती साइबर सुरक्षा मानक लागू किए जाएँ।

इसके साथ स्वदेशी तकनीक और विशेषज्ञता को बढ़ावा देना भी जरूरी है। आत्मनिर्भरता का मतलब केवल देश में मशीनें बनाना नहीं, बल्कि उनके सॉफ्टवेयर, सुरक्षा और आपातकालीन नियंत्रण की क्षमता भी अपने पास रखना है। भारतीय कंपनियों, शोध संस्थानों और सरकारी एजेंसियों को मिलकर सुरक्षित औद्योगिक नियंत्रक विकसित करने चाहिए। खाद्य वितरण नेटवर्क का नियमित साइबर ऑडिट और आपातकालीन अभ्यास भी जरूरी है। गोदाम का तापमान अचानक बदलने पर वैकल्पिक बिजली, स्थानीय नियंत्रण और खाद्य सामग्री को दूसरे स्थान पर पहुँचाने की व्यवस्था होनी चाहिए।

यह चुनौती किसी एक देश तक सीमित नहीं है, क्योंकि साइबर हमलों की कोई सीमा नहीं होती। एक देश में बैठा हमलावर दूसरे देश के उपकरणों को निशाना बना सकता है और तीसरे देश की तकनीक का इस्तेमाल कर सकता है। इसलिए भारत को फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों सहित समान सोच वाले राष्ट्रों के साथ साइबर सुरक्षा, सूचनाओं के आदान-प्रदान और औद्योगिक प्रणालियों की सुरक्षा में सहयोग बढ़ाना चाहिए। साथ ही, किसी देश पर लगे आरोप और अपराध की सिद्ध जिम्मेदारी में अंतर रखते हुए अंतरराष्ट्रीय जाँच और जवाबदेही की व्यवस्था मजबूत करनी होगी।

फ्रांस के सुपरमार्केटों में बंद पड़े फ्रिज केवल तकनीकी खराबी नहीं, बल्कि उस खतरे का संकेत हैं, जिसमें दुश्मन बिना सामने आए देश की व्यवस्था ठप कर सकता है। तकनीक सुविधा देती है, पर सुरक्षा के बिना कमजोरी बन जाती है। राष्ट्रीय सुरक्षा अब सेना, लड़ाकू विमानों और युद्धपोतों तक सीमित नहीं है। बिजली, बैंकिंग, अस्पताल, परिवहन और खाद्य भंडारण भी इसके अहम आधार हैं। जरूरी आपूर्ति प्रणालियाँ हमलावर के नियंत्रण में आएँ, तो संकट राष्ट्रीय बन जाता है। फ्रांस की घटना को नजरअंदाज करना भारत को भारी पड़ सकता है। कल तक दुश्मन जमीन पर हमला करता था, आज व्यवस्था में सेंध लगाकर थाली तक पहुँच सकता है। रसोई की सुरक्षा के बिना खाद्य सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा के बिना राष्ट्रीय सुरक्षा अधूरी है।

–. आरके जैन च्चअरिजीतज्ञ

कैंसर की दवाओं पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती से मरीजों को मिली बड़ी राहत

कैंसर का नाम सुनते ही किसी भी परिवार के सामने सबसे पहले जिंदगी और मौत का सवाल खड़ा हो जाता है। यह ऐसी बीमारी है, जिसका इलाज न केवल मरीज को शारीरिक और मानसिक रूप से तोड़ता है, बल्कि पूरे परिवार की आर्थिक कमर भी तोड़ देता है। इलाज की लंबी प्रक्रिया, महंगी जांच, अस्पतालों का खर्च और जीवनरक्षक दवाओं की कीमतें पहले से परेशान परिवारों के लिए किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं होतीं। ऐसे में कैंसर की 137 दवाओं की कीमतों में भारी कटौती होना निश्चित रूप से लाखों मरीजों और उनके परिजनों के लिए राहत भरी खबर है। लेकिन इस फैसले के पीछे छिपी सच्चाई देश की स्वास्थ्य व्यवस्था और दवा कारोबार पर गंभीर सवाल भी खड़े करती है।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कैंसर की 137 दवाओं की कीमतें कम की गई हैं। दवा कंपनियों ने 121 दवाओं के 1,364 फॉर्मूलेशन की नई कीमतें जारी की हैं। इनमें 679 ब्रांड की दवाओं के दाम 50 प्रतिशत से अधिक घटाए गए हैं। कुछ दवाओं की कीमतों में तो 96.45 प्रतिशत तक की कमी की गई है। अनुमान है कि इस कदम से मरीजों को सालाना करीब 3,540.38 करोड़ रुपये की बचत होगी। यह आंकड़ा अपने आप में बताता है कि अब तक कैंसर के इलाज के नाम पर आम आदमी की जेब पर कितना बड़ा आर्थिक बोझ पड़ रहा था। इस पूरे मामले में सुप्रीम कोर्ट की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। 22 सितंबर को सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कैंसर की दवाओं की रिटेल कीमत और अधिकतम खुदरा मूल्य के बीच भारी अंतर पर गंभीर सवाल उठाए थे। अदालत की टिप्पणी थी कि 2,700 रुपये की दवा मरीज को 27,000 रुपये में मिलना दिनदहाड़े डकैती और नरसंहार जैसा है। न्यायालय की यह नाराजगी केवल दवाओं की कीमतों को लेकर नहीं थी, बल्कि उस व्यवस्था पर भी सवाल था, जिसमें गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों की मजबूरी को कारोबार और मुनाफे का अवसर बना लिया जाता है।



सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद 17 अक्टूबर को नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी ने 137 गैर-अनुसूचित कैंसर दवाओं पर कंपनियों का ट्रेड मार्जिन 30 प्रतिशत निर्धारित किया। इसी निर्णय के बाद कीमतों में कमी का रास्ता साफ हुआ। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज के तहत गठित विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों ने भी इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। समिति में देश के प्रमुख कैंसर विशेषज्ञों, चिकित्सकों, अस्पतालों के प्रतिनिधियों और सरकारी अधिकारियों को शामिल किया गया था। इसका उद्देश्य दवाओं की कीमतों और व्यापारिक मार्जिन को तर्कसंगत बनाना था।

यहां सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर जीवन बचाने वाली दवाओं के कारोबार में इतना अधिक मुनाफा कैसे संभव हुआ? क्या किसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीज की विवशता का फायदा उठाना उचित है? दवा उद्योग का अपना आर्थिक पक्ष है। कंपनियों को अनुसंधान, उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण, वितरण और नई दवाओं के विकास पर खर्च करना पड़ता है। लेकिन इन सभी खर्चों के नाम पर ऐसी कीमतें वसूलना, जिन्हें आम आदमी वहन ही न कर सके, किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। दवा कोई सामान्य उपभोक्ता वस्तु नहीं है। यह किसी व्यक्ति के जीवन, उसके परिवार की उम्मीद और उसके भविष्य से जुड़ी होती है।

भारत जैसे देश में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच आज भी आर्थिक स्थिति से प्रभावित होती है। संपन्न परिवार बेहतर अस्पतालों और महंगे उपचार का खर्च उठा सकते हैं, लेकिन मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों के सामने अक्सर इलाज जारी रखने या घर की आर्थिक स्थिति बचाने के बीच कठिन चुनाव करने की नौबत आ जाती है। कई बार लोग जमीन, मकान और पुश्तैनी संपत्ति तक बेच देते हैं। कुछ परिवार कर्ज में डूब जाते हैं तो कुछ आर्थिक असमर्थता के कारण उपचार अधूरा छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। ऐसे हालात में दवाओं की कीमतों पर नियंत्रण केवल आर्थिक नीति का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और मानवीय संवेदनशीलता का प्रश्न है। हालांकि, केवल कीमतें घटा देना ही पर्याप्त नहीं होगा। सरकार और संबंधित नियामक संस्थाओं को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि निर्धारित कीमतों का लाभ वास्तव में मरीजों तक पहुंचे। दवा दुकानों, अस्पतालों और वितरकों के स्तर पर नियमित निगरानी होनी चाहिए। यदि कोई कंपनी या विक्रेता निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि आवश्यक दवाओं की उपलब्धता बनी रहे और कीमतों पर नियंत्रण के नाम पर उनकी आपूर्ति प्रभावित न हो।

विशेषज्ञ समिति द्वारा सुझाई गई 137 दवाओं की सूची को समय-समय पर अपडेट करने का निर्णय भी महत्वपूर्ण है। कैंसर के उपचार में लगातार नई दवाएं और तकनीकें सामने आ रही हैं। इसलिए मूल्य नियंत्रण की व्यवस्था भी समय और जरूरत के अनुसार विकसित होनी चाहिए। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नई और प्रभावी दवाएं भी आम मरीजों की पहुंच से बाहर न हों। सरकारी अस्पतालों में कैंसर उपचार की सुविधाओं का विस्तार, जांच की सुलभता और स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन भी उतना ही आवश्यक है।

दरअसल, किसी भी सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने सबसे कमजोर और जरूरतमंद नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करता है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से लड़ रहे मरीजों के लिए दवाओं की कीमत कम होना महज एक आर्थिक राहत नहीं, बल्कि जीवन की उम्मीद को मजबूत करने वाला कदम है। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती ने इस दिशा में महत्वपूर्ण हस्तक्षेप किया है। लेकिन इस राहत को स्थायी व्यवस्था में बदलना सरकार, दवा कंपनियों और नियामक संस्थाओं की सामूहिक जिम्मेदारी है।

जीवन बचाने वाली दवाएं मुनाफे का असीमित माध्यम नहीं बननी चाहिए। स्वास्थ्य सेवा का उद्देश्य केवल कारोबार नहीं, बल्कि मानव जीवन की रक्षा होना चाहिए। कैंसर से लड़ रहे मरीजों को बीमारी से संघर्ष करना चाहिए, दवाओं की कीमतों और आर्थिक शोषण से नहीं। यही इस फैसले का वास्तविक संदेश और एक संवेदनशील स्वास्थ्य व्यवस्था की कसौटी है।

(लेखक- सौरभ वार्ष्णेय)

सौ वर्षों की यात्रा में संघ की पहचान बना स्वयंसेवक का समर्पण

इब्राहिम के ऐतिहासिक प्रसंग से सामाजिक समरसता संवाद और वैचारिक सहिष्णुता का संदेश

भारत का सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन अनेक विचारधाराओं, परंपराओं और संगठनों के योगदान से निर्मित हुआ है। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी आर्थिक प्रगति, राजनीतिक व्यवस्था अथवा सैन्य क्षमता में नहीं होती, बल्कि उसके नागरिकों के चरित्र, सामाजिक एकता, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध में भी निहित होती है। इसी दृष्टिकोण के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने वर्ष 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के नेतृत्व में अपनी यात्रा प्रारंभ की थी। सौ वर्षों के बाद भी संघ की पहचान उसके स्वयंसेवकों के आचरण, संगठनात्मक अनुशासन और सेवा गतिविधियों से जुड़ी हुई है। नागपुर में संघ प्रमुख मोहन भागवत का यह कथन कि सौ साल बाद भी स्वयंसेवक ही संघ की सबसे बड़ी पहचान हैं, संगठन की कार्यपद्धति को समझने का महत्वपूर्ण आधार प्रस्तुत करता है।

संघ की स्थापना के पीछे मूल विचार व्यक्ति निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण का था। डॉ. हेडगेवार का मानना था कि समाज को संगठित और सशक्त बनाने के लिए ऐसे नागरिक तैयार होने चाहिए, जिनमें अनुशासन, आत्मविश्वास, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना हो। इसी उद्देश्य से दैनिक शाखा की परंपरा विकसित हुई। शाखा में शारीरिक गतिविधियों के साथ सामूहिकता, बौद्धिक चिंतन और सामाजिक व्यवहार का अभ्यास कराया जाता है। संघ की संगठनात्मक विशेषता यह रही है कि यहां पद अथवा प्रतिष्ठा की अपेक्षा स्वयंसेवक के दायित्व और उसके व्यवहार को महत्व दिया जाता है।

मोहन भागवत ने नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड के नवीनीकृत मुख्यालय में नवनिर्मित सभागार के उद्घाटन समारोह में संघ के शुरुआती दिनों से जुड़ा इब्राहिम नामक व्यक्ति का प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि 1930 के दशक में सेंट्रल प्रोविंस की विधानसभा में संघ पर प्रतिबंध लगाने की मांग उठी थी। उस समय संगठन को बहुत कम लोग जानते थे, लेकिन डॉ. हेडगेवार की व्यक्तिगत पहचान थी। ऐसे कठिन समय में इब्राहिम नाम के व्यक्ति ने संघ के पक्ष में आवाज उठाई थी। उनका तर्क था कि संघ को सांप्रदायिक संगठन मानकर बंद करना उचित नहीं है। वे डॉ. हेडगेवार को जानते थे और उन्हें अच्छा व्यक्ति मानते थे। इसलिए केवल वैचारिक धारणाओं के आधार पर संगठन को दोषी ठहराना उचित नहीं समझते थे।

इब्राहिम का यह प्रसंग आज के सामाजिक वातावरण में विशेष महत्व रखता है। भारतीय समाज की खूबसूरती यह है कि यहां विचारों की भिन्नता के बावजूद एक-दूसरे के प्रति सम्मान और संवाद की परंपरा रही है। किसी व्यक्ति की पहचान केवल उसके धर्म, जाति अथवा राजनीतिक विचारों से नहीं होनी चाहिए। उसके व्यवहार, कार्य और सामाजिक योगदान को भी महत्व मिलना चाहिए। इब्राहिम ने जिस समय संघ के पक्ष में अपनी बात रखी, उस समय उन्होंने यह संदेश दिया कि किसी संगठन के बारे में धारणा बनाने से पहले उसके वास्तविक स्वरूप और उसके लोगों को समझना आवश्यक है। यह प्रसंग वैचारिक सहिष्णुता और लोकतांत्रिक संवाद की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

संघ के सामने सामाजिक समरसता की चुनौती भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। भारतीय समाज में जातिगत भेदभाव और सामाजिक असमानता जैसी समस्याएं लंबे समय से मौजूद रही हैं। संघ सार्वजनिक रूप से जाति-पांत से ऊपर उठकर संगठित समाज की बात करता है। किसी भी सामाजिक संगठन की सार्थकता तभी सिद्ध होती है, जब उसके विचार व्यवहार में दिखाई दें और समाज के अंतिम व्यक्ति को सम्मान तथा समान अवसर प्राप्त हों। सामाजिक एकता का अर्थ केवल एक विचार को स्वीकार करना नहीं, बल्कि विविधताओं का सम्मान करते हुए साझा राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देना भी है। मोहन भागवत द्वारा इब्राहिम का प्रसंग याद करना केवल संघ के पुराने इतिहास का उल्लेख नहीं है, बल्कि यह भी बताता है कि सामाजिक जीवन में व्यक्तिगत विश्वास और पारस्परिक सम्मान कितने महत्वपूर्ण हैं। राष्ट्र निर्माण किसी एक संगठन, राजनीतिक दल अथवा समुदाय की जिम्मेदारी नहीं हो सकता। इसमें सभी नागरिकों की समान भागीदारी आवश्यक है। सौ वर्षों बाद स्वयंसेवक की पहचान को रेखांकित करने के साथ सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि व्यक्ति निर्माण की यह भावना समाज में सेवा, सद्भाव, समानता और राष्ट्रीय एकता को कितना मजबूत करती है। भारत की शक्ति उसकी विविधता में एकता है और इस भावना को मजबूत करना प्रत्येक नागरिक तथा प्रत्येक सामाजिक संगठन का साझा दायित्व है।

(लेखक - कांतिलाल मांडोत)

भाजपा को चुनौती देने के लिए नई पीढ़ी पर दांव, बोले- पटवारी और सिंघार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा अगला विधानसभा चुनाव

2028 की सियासी पिच पर पटवारी-सिंघार की जोड़ी! दिग्विजय सिंह ने खोले कांग्रेस के भविष्य के पत्ते

भोपाल, यश भारत।

मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2028 की सियासी बिसात अभी से बिछने लगी है। कांग्रेस ने भी आगामी चुनाव को लेकर अपनी रणनीति के संकेत देने शुरू कर दिए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के एक बयान ने प्रदेश की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। उन्होंने संकेत दिया है कि कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में लड़ेगी। इस बयान को प्रदेश कांग्रेस में नई पीढ़ी को आगे बढ़ाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है।



गुटबाजी से इनकार, युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने के संकेत

दिग्विजय सिंह इन दिनों सत्य सनातन यात्रा पर हैं। इसी दौरान उनके राजनीतिक बयानों ने कांग्रेस की भावी रणनीति को लेकर चर्चाएं तेज कर दी हैं। उन्होंने पार्टी में किसी तरह की गुटबाजी होने से इनकार करते हुए जीतू पटवारी और उमंग सिंघार की जोड़ी पर भरोसा जताया है। उनके इस बयान को राहुल गांधी से हालिया मुलाकातों के बाद कांग्रेस में नेतृत्व को लेकर बन रही नई सहमति से भी जोड़कर देखा जा रहा है। कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने भी दोनों नेताओं की सक्रियता का समर्थन किया है। उनका कहना है कि जीतू पटवारी और उमंग सिंघार अपने-अपने स्तर पर प्रभावी ढंग से काम कर रहे हैं। बेहतर प्रदर्शन के आधार पर पार्टी उन्हें भविष्य में बड़ी जिम्मेदारियां सौंप सकती है।

भाजपा ने कसा तंज, कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति पर उठाए सवाल- दिग्विजय सिंह के बयान पर भाजपा ने भी प्रतिक्रिया देने में देर नहीं की। भाजपा विधायक भगवानदास सबनानी ने इसे कांग्रेस का आंतरिक मामला बताते हुए तंज कसा। उन्होंने दिग्विजय सिंह के बयान को लेकर उनके परिवार और बेटे के राजनीतिक भविष्य पर भी कटाक्ष किया। दरअसल कांग्रेस के सामने इस समय सबसे बड़ी चुनौती प्रदेश में संगठन को मजबूत करने और भाजपा के मजबूत चुनावी ढांचे का मुकाबला करने की है। ज्योतिरादित्य सिंधिया और सुरेश पचौरी जैसे नेताओं के पार्टी से अलग होने तथा कमलनाथ की सक्रियता सीमित होने के बीच नई पीढ़ी को आगे करना कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सवाल सिर्फ चेहरे का नहीं, जीत की रणनीति का भी

दिग्विजय सिंह के बयान से यह साफ संकेत मिला है कि कांग्रेस 2028 के चुनाव में युवा नेतृत्व को आगे रखकर मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। हालांकि, चुनावी नेतृत्व की तस्वीर और अंतिम रणनीति पर पार्टी का आधिकारिक फैसला अभी महत्वपूर्ण रहेगा।

2018 की जीत से 2023 की हार तक, कांग्रेस के सामने बड़ी चुनौती

मध्य प्रदेश की राजनीति में कांग्रेस के लिए 2028 का चुनाव आसान नहीं रहने वाला है। वर्ष 2018 में कांग्रेस ने 114 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी, लेकिन मार्च 2020 में राजनीतिक घटनाक्रम के बाद उसे सत्ता गंवानी पड़ी। इसके बाद 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने शानदार जीत दर्ज कर सत्ता में वापसी की। अब जीतू पटवारी और उमंग सिंघार के सामने पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने, कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने और जनता के बीच कांग्रेस का भरोसा दोबारा कायम करने की चुनौती होगी।

बड़ा सवाल यही है कि क्या पटवारी-सिंघार की जोड़ी कांग्रेस को सत्ता के करीब पहुंचा पाएगी या भाजपा के मजबूत संगठन के सामने उसे एक बार फिर कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। फिलहाल, दिग्विजय सिंह के बयान ने 2028 की चुनावी राजनीति का माहौल समय से पहले गर्म कर दिया है।



संभावित रेल हादसे टालने वाले भोपाल मंडल के दो रेलकर्मी सम्मानित

बीना के लोको पायलट महेंद्र सिंह यादव और गुना के ट्रेन मैनेजर संजीव मीणा को मिला संरक्षा पुरस्कार

भोपाल,यश भारत। रेल परिचालन के दौरान सतर्कता और सूझबूझ दिखाकर संभावित हादसों को टालने में अहम भूमिका निभाने वाले भोपाल मंडल के दो रेलकर्मियों को उत्कृष्ट संरक्षा जागरूकता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह ने बीना के लोको पायलट महेंद्र सिंह यादव और गुना के ट्रेन मैनेजर (गुड्स) संजीव कुमार मीणा को यह सम्मान प्रदान किया। दोनों कर्मचारियों ने अक्टूबर माह में ड्यूटी के दौरान तकनीकी खामियों और संभावित खतरों की समय रहते पहचान कर निर्धारित सुरक्षा प्रक्रियाओं के तहत कार्रवाई की। इससे संभावित रेल दुर्घटनाओं को टालने में मदद मिली। पश्चिम मध्य रेल के विभिन्न मंडलों के कुल छह कर्मचारियों को उत्कृष्ट संरक्षा कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। महाप्रबंधक ने कर्मचारियों की सतर्कता और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए कहा कि सुरक्षित रेल संचालन में समय पर खतरे की पहचान और त्वरित कार्रवाई बेहद जरूरी है।

छठ महापर्व को लेकर घाटों की सजावट और मरम्मत शुरू

कुंडों की रंगाई-पुताई के साथ साफ-सफाई पर जोर

भोपाल, यश भारत।

छठ महापर्व को देखते हुए नगर निगम ने शहर के विभिन्न छठ घाटों और कुंडों को व्यवस्थित करने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके तहत घाटों पर रंगाई-पुताई साफ-सफाई और क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत का काम कराया जा रहा है। निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर निगम का अमला पर्व से पहले सभी जरूरी व्यवस्थाएं पूरी करने में जुटा है। घाटों और छठ कुंडों की रंगाई-पुताई के साथ आवश्यक सिविल कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। साथ ही साफ सफाई और मरम्मत कार्य भी लगातार किए जा रहे हैं। निगम का उद्देश्य छठ पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को स्वच्छ सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना है ताकि व्रती और श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कर सकें। निगम अधिकारियों के अनुसार सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय-सीमा में पूरी करने के प्रयास किए जा रहे हैं।



बकाया कर जमा नहीं करने पर दो संपत्तियां कुर्क

अरेरा कॉलोनी और जिंसी में निगम की कार्रवाई, एक भवन सील तो दूसरे पर की कुर्की

भोपाल, यश भारत। नगर निगम ने संपत्तिकर और अन्य करों की बकाया राशि जमा नहीं करने वाले दो बकायादारों के खिलाफ कुर्की और तालाबंदी की कार्रवाई की। निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर जोन क्रमांक 10 के अमले ने यह कार्रवाई की। पहली कार्रवाई वार्ड क्रमांक 42 के जिंसी क्षेत्र में भवन ऑफिस क्रमांक 17ए पर की गई। भवन स्वामी गोविंदराम ज्ञानचंदानी पर संपत्तिकर सहित अन्य करों के 10 लाख 58 हजार 588 रुपये बकाया थे। राशि जमा नहीं करने पर निगम ने भवन को सील कर दिया। वहीं वार्ड क्रमांक 45 की अरेरा कॉलोनी ई-1 स्थित भवन क्रमांक 203 के मालिक प्रमोद तामोट पर 94 हजार 734 रुपये बकाया होने के चलते संपत्ति कुर्क की गई। निगम के अनुसार दोनों बकायादारों को पूर्व में नोटिस जारी किए गए थे लेकिन भुगतान नहीं होने पर कार्रवाई की गई। कार्रवाई जोनल अधिकारी शैलेष चौहान सहित निगम अमले ने की।



फार्माकोलॉजी विभाग ने जीते तीन पुरस्कार, डॉ. चिराग अग्रवाल को दोहरी सफलता

एपीपीएससीओएन-2026 में एम्स भोपाल का शानदार प्रदर्शन

भोपाल , यश भारत।

एम्स भोपाल के फार्माकोलॉजी विभाग ने राष्ट्रीय स्तर के 8वें एपीपीएससीओएन 2026 सम्मेलन में तीन पुरस्कार हासिल कर संस्थान का गौरव बढ़ाया। एम्स मंगलगिरी में आयोजित आंध्र प्रदेश फार्माकोलॉजिकल सोसायटी के सम्मेलन में विभाग के रेजिडेंट और फैकल्टी सदस्यों ने शोध प्रस्तुतियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। जूनियर रेजिडेंट डॉ. चिराग अग्रवाल ने मौलिक शोध की मौखिक प्रस्तुति में प्रथम और मोटापे के औषधीय प्रबंधन पर समीक्षा पोस्टर प्रस्तुति में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। वहीं अतिरिक्त प्राध्यापक डॉ. अजय शुक्ला को मोटापे के उपचार में जीआईपी और जीएलपी 1 आधारित दवाओं की प्रभावशीलता पर समीक्षा के लिए प्रथम पुरस्कार मिला। इसके अलावा डॉ. अहमद नजमी ने कृत्रिम हृदय वाल्व वाले मरीजों में दवा की खुराक और आनुवंशिक भिन्नताओं पर शोध प्रस्तुत किया। विभागाध्यक्ष डॉ. बालकृष्णन एस ने आमंत्रित व्याख्यान दिया।





एम्स भोपाल में अंगदान से पांच लोगों को मिलेगी नई जिंदगी

भोपाल,यश भारत। अपनों को खोने के गहरे दुख के बीच स्वर्गीय सुमित सोनी के परिजनों ने अंगदान का साहसिक निर्णय लेकर मानवता की मिसाल पेश की। उनके इस निःस्वार्थ फैसले से पांच जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन और आंखों की रोशनी मिलने की उम्मीद जगी है। एम्स भोपाल के चिकित्सकों ने एक किडनी का सफल प्रत्यारोपण संस्थान में भर्ती मरीज में किया। वहीं दूसरी किडनी और लिवर को ग्रीन कॉरिडोर के माध्यम से प्रत्यारोपण के लिए बंसल अस्पताल भेजा गया। इसके अलावा दोनों कॉर्निया एम्स के आई बैंक में सुरक्षित रखे गए हैं, जिनसे जरूरतमंद मरीजों की आंखों की रोशनी लौटाई जा सकेगी। इस पूरी प्रक्रिया में चिकित्सकों, ट्रांसप्लांट को ऑर्डिनेटर्स अस्पताल प्रशासन और यातायात पुलिस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वर्गीय सुमित सोनी को मध्यप्रदेश पुलिस ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर अंतिम विदाई दी। परिजनों के इस निर्णय की व्यापक सराहना की जा रही है।

सरयू सरोवर पार्क में छठ पूजा के लिए बने दो सर्वसुविधायुक्त कुंड, पांच हजार श्रद्धालुओं को मिलेगी सुविधा



भोपाल,यश भारत।

छठ महापर्व पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नगर निगम भोपाल द्वारा विशेष तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में अयोध्या नगर स्थित सरयू सरोवर पार्क में दो सर्वसुविधायुक्त छठ कुंड विकसित किए गए हैं। पहले यहां केवल एक कुंड की व्यवस्था थी जिसे बढ़ाकर अब दो कर दिया गया है। साथ ही पूरे पार्क को भी आकर्षक स्वरूप प्रदान किया गया है। नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर छठ पूजा की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। इसके तहत शहर के पुराने एवं परंपरागत छठ कुंडों और घाटों की रंगाई पुताई क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत तथा आवश्यक सिविल कार्य प्राथमिकता से कराए जा रहे हैं। वार्ड क्रमांक 68 के सरयू सरोवर पार्क में विकसित किए गए इन नए कुंडों से छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को पूजा अर्चना में सुविधा मिलेगी। निगम के अनुसार यहां पांच हजार से अधिक श्रद्धालु सुगमता से छठ पूजा के कार्यक्रमों में शामिल हो सकेंगे।

कॉमनवेल्थ कराटे चैंपियनशिप में चमके मप्र के खिलाड़ी

गर्गी सिंह ने दो और अमेय कटारे ने जीता एक कांस्य पदक, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया देश का मान

भोपाल,यश भारत। स्कॉटलैंड में आयोजित 12वीं कॉमनवेल्थ कराटे चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन कांस्य पदक हासिल किए। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की कराटे अकादमी भोपाल की खिलाड़ी गर्गी सिंह परिहार ने दो कांस्य पदक जीतकर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। वहीं अमेय कटारे ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए एक कांस्य पदक अपने नाम किया। दोनों खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। इस सफलता में कोच दीपक सिंह और कुलदीप सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके मार्गदर्शन में खिलाड़ी लगातार अभ्यास कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर कराटे अकादमी परिवार ने उन्हें बधाई दी। साथ ही खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहयोग और प्रोत्साहन के प्रति आभार जताया। खिलाड़ियों की सफलता को प्रदेश की खेल प्रतिभा के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।



सीमांकन के लिए 15 दिन का विशेष अभियान, शत-प्रतिशत कार्रवाई के निर्देश

भोपाल , यश भारत।

संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने भोपाल संभाग के सभी जिलों में सीमांकन के लंबित मामलों के निराकरण के लिए 15 दिन का विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नामांतरण और बंटवारे के 50 दिन से अधिक समय से लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करने को कहा। भोपाल जिले में नामांतरण के 14 हजार 661 लंबित मामलों पर उन्होंने नाराजगी जताई। बुधवार को राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में संभागायुक्त ने समय-सीमा से बाहर प्रकरणों और सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। हुजूर तहसील के अपर तहसीलदार न्यायालय में पेशी से हटे 1958 लंबित प्रकरणों पर भी कार्रवाई के निर्देश दिए। लापरवाही बरतने वाले तहसीलदार और नायब तहसीलदारों का नियमानुसार वेतन काटने को कहा। उन्होंने वन अधिकार अधिनियम के तहत वन ग्रामों को राजस्व ग्राम बनाने की प्रक्रिया भी समय पर पूरी करने के निर्देश दिए।



आज से लागू होंगी नई दरें, ताजा दूध भी 2 प्रति लीटर महंगा; रसोई का बजट होगा प्रभावित

महंगाई का झटका: अमूल दूध हुआ महंगा, गोल्ड के दाम में ?4 की बढ़ोतरी

भोपाल यश भारत।

देशभर में बढ़ती महंगाई के बीच आम उपभोक्ताओं को एक और झटका लगा है। मदर डेयरी के बाद अब प्रमुख डेयरी कंपनी अमूल ने भी दूध की कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान किया है। नई दरें 12 नवंबर 2026 से लागू कर दी गई हैं। कंपनी की नई दरों के अनुसार अमूल गोल्ड की कीमत में ?4 प्रति लीटर की वृद्धि की गई है। इसके बाद इसकी कीमत ?70 से बढ़कर ?74 प्रति लीटर हो गई है। वहीं अमूल ताजा दूध भी ?2 प्रति लीटर महंगा हो गया है। कंपनी के मुताबिक हरा और सूखा चारा पशु आहार पैकेजिंग तथा माल ढुलाई की लागत में लगातार बढ़ोतरी के चलते कीमतें बढ़ाने का फैसला लिया गया है। इस वृद्धि को करीब 4 से 5 प्रतिशत बताया गया है। दूध की कीमतों में इजाफे से आम परिवारों का मासिक बजट प्रभावित होना तय है। पहले से महंगाई की मार झेल रहे उपभोक्ताओं पर अब अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा।



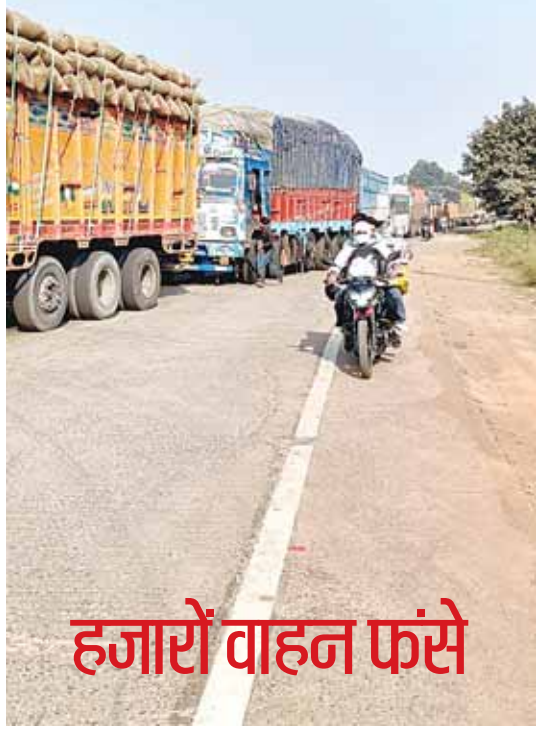
दिवाली पर पटाखों से चौटिल हुए 10 मरीजों का सेवासदन में हुआ इलाज

हिरदाराम नगर.

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में दीपावली के दौरान आतिशबाजी से घायल हुए 10 मरीजों का इलाज कर उनकी आंखों की रोशनी बचाई गई। 8 और 9 नवंबर की मध्यरात्रि पटाखों की वजह से चोटिल हुए इन मरीजों को तत्काल चिकित्सा सुविधा देने के लिए अस्पताल में डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की 24 घंटे की आकस्मिक नेत्र चिकित्सा सेवा तैनात की गई थी। त्वरित और सफल उपचार पाने वाले मरीजों में सीहोर के 26 वर्षीय उमेश तथा बैतूल की 17 वर्षीय राधिका की दाहिनी आंख की आपात सर्जरी कर दृष्टि सुरक्षित की गई। इसके अलावा भोपाल के ज्ञानेंद्र (27 वर्ष), प्रीति (40 वर्ष), सुभाष (21 वर्ष) व पाखी (16 वर्ष), शाजापुर के श्यामाप्रसाद (65 वर्ष) व पलाश (36 वर्ष), सीहोर के पाल जी (31 वर्ष), राजगढ़ के घनश्याम (22 वर्ष), रायसेन की मुस्कान (20 वर्ष) और देवास के नन्हेलाल (56 वर्ष) का भी त्वरित इलाज कर आंखों का बचाव किया गया। दीपावली पर अस्पताल की इस विशेष 24 घंटे तत्पर व्यवस्था से सभी घायलों की आंखों की रोशनी बचाना संभव हो सका।



एनएचएआई विभाग की लापरवाही से NH 30 पर 5 घंटे तक महाजाम



गोसलपुर, यशभारत। एनएचएआई विभाग की घोर लापरवाही के चलते बुधवार को हजारों वाहन चालकों को करीब 5 घंटे तक भीषण जाम में फंसकर परेशान होना पड़ा गोसलपुर के पास बरनू तिराहा मे निर्माणाधीन ओवर ब्रिज के कारण हाईवे पर यातायात पूरी तरह से ठप हो गया और वाहनों की कई किलोमीटर लंबी कतार लग गई।



एम्बुलेंस में तड़पते रहे मरीज

गोसलपुर के पास ओवरब्रिज निर्माण बना मुसीबत

ट्रक की गुल्ली टूटने से बिगड़े हालात -

जानकारी के अनुसार ओवर ब्रिज के पास अचानक एक भारी ट्रक क्रमांक एमपी 20 एच. बी.9818 की गुल्ली टूट गई, जिसके कारण वह सड़क के बीचों-बीच खड़ा हो गया निर्माण कार्य के चलते पहले से ही सर्विस रोड से आवागमन किया जा रहा है सड़क सिकुड़ी हुई है जगह जगह गड्ढे है खस्ताहाल सडक में ट्रक के खराब होते ही दोनों तरफ वाहनों का आवागमन पूरी तरह बंद हो गया। हाईवे बंद होने के बाद जबलपुर की ओर जाने वाले वाहनों को मझौली होकर डायवर्ट किया गया लेकिन जब तक दोनों तरफ की सर्विस रोड भी जाम हो गई स्थिति यह हो गई की सर्विस रोड पर भी हजारों की संख्या में छोटे-बड़े वाहन फंस गए जाम में दर्जनों एम्बुलेंस भी फंसी रहीं, जिसमें मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

पुलिस को करनी पड़ी कड़ी मशक्कत

सूचना मिलते ही गोसलपुर पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन जाम इतना विकराल था की पुलिस को उसे खुलवाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी करीब 5 घंटे की कड़ी मेहनत के बाद क्रेन की मदद से खराब ट्रक को हटाया गया और धीरे-धीरे यातायात को सुचारू किया जा सका। स्थानीय





लोगों ने आरोप लगाया की ओवर ब्रिज निर्माण कंपनी द्वारा वैकल्पिक मार्ग की समुचित व्यवस्था नहीं की गई है और एन एच ए आई विभाग भी इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है जिसके कारण आए दिन जाम की स्थिति बन रही है।



यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने मनाया 108 वां स्थापना दिवस, विविध कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

कटंगी, यशभारत। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने आज अपना 108वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। बैंक की स्थापना 11 नवंबर 1919 को मुंबई में हुई थी। इसके प्रधान कार्यालय का उद्घाटन 1921 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने किया था। आज 108 वर्षों के गौरवपूर्ण सफर के बाद बैंक देश के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में शामिल है।स्थापना दिवस के अवसर पर शाखा में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और केक काटकर की गई। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम, ग्राहक सम्मान समारोह, वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन हुआ।इस दौरान सहायक बैंक मैनेजर नेहा गर्दे ने ग्राहकों को डिजिटल बैंकिंग, सुरक्षा, बचत योजनाओं और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। वरिष्ठ एवं पुराने ग्राहकों को सम्मानित किया गया। फील्डऑफिसर संध्या ठाकुर ने कहा कि यूनियन बैंक का मूल मंत्र * 'अच्छे लोग अच्छा बैंक है। बैंक का उद्देश्य हर ग्राहक को सुरक्षित, सरल और डिजिटल बैंकिंग सुविधा देना है। 108 वर्षों के विश्वास के लिए उन्होंने सभी ग्राहकों, कर्मचारियों और शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम को सफल बनाने के दीपक पटेल अमित पटेल राजेंद्र जैन संजय जैन प्रेस मिट्ठू लाल चौरसिया, कमलेश रैकवार धर्मेंद्र रैकवार , कन्हैया सेन, कमल सिंह सहित गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अंत में सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

दिवंगतों को कैंडल जलाकर दी श्रद्धांजलि

मिशन चौक पर कांग्रेसजनों ने रखा मौन

कटनी, यशभारत। बरही में हुए भीषण अग्निकांड में एक ही परिवार के छह सदस्यों की मौत से व्यथित कांग्रेसजनों ने मिशन चौक पर कैंडल जलाकर दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित की। शहर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट अमित शुक्ला के नेतृत्व में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित लोगों ने मौन रखकर मृतकों को नमन किया। इस अवसर पर अमित शुक्ला ने कहा कि एक ही परिवार के छह सदस्यों का इस तरह असमय चले जाना बेहद पीड़ादायक है। दुख की इस घड़ी में कांग्रेस पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने अग्निकांड के दौरान अग्निशमन व्यवस्था और आपातकालीन सेवाओं की तैयारियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि समय पर पर्याप्त संसाधन और फायर ब्रिगेड की त्वरित उपलब्धता होती तो शायद छह जिंदगियां बचाई जा सकती थीं। उन्होंने शासन-प्रशासन से पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कराने, जिम्मेदारी तय करने और पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने की मांग की।

कटंगी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, जुआ खेलते 17 जुआरी पकड़े

कटंगी, यशभारत। थाना कटंगी पुलिस ने जुए के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम मोहला में दबिश देकर 17 लोगों को जुआ खेलते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। पुलिस ने मौके से 52 ताश पत्ते और कुल 23,560 रुपये नकद जब्त किए हैं।

मुखबिर की सूचना पर हुई कार्रवाई

थाना प्रभारी निरीक्षक गोपेन्द्र सिंह राजपूत को 10 नवंबर की रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम मोहला में विपेन्द्र सिंह लोधी के भूसा वाले कमरे के सामने बल्ब की रोशनी में कुछ लोग 52 ताश पत्तों पर रुपये-पैसों का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं।सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। पुलिस को देखकर जुआरी भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर सभी 17 आरोपियों को पकड़ लिया।

इतनी राशि हुई जब्त

पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से 7360 रुपये और फड़ से 16200 रुपये, कुल 23,560 रुपये और 52 ताश के पत्ते जब्त किए गए। सभी जब्त माल को गवाहों के सामने जप्त कर थाना लाया गया।

कानूनी कार्रवाई

पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 13 जुआ एक्ट के तहत अपराध क्रमांक 644/2026 दर्ज कर विवेचना में लिया। धारा 7 वर्ष से कम सजा का प्रावधान होने पर सभी आरोपियों को धारा 35(3) बी.एन.एस.एस. का नोटिस देकर छोड़ा गया। इसके साथ ही पुलिस ने इस मामले में एक और इस्तगासा क्रमांक 116/2026 धारा 170 बी.एन.एस.एस. के तहत भी तैयार कर माननीय न्यायालय में पेश किया है।थाना कटंगी पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में जुआरियों में हड़कंप मच गया है। पुलिस का कहना है कि आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रही है।



जीव-दया और धर्माचरण से ही सच्चे सुख की प्राप्ति



पनागर, यशभारत। जीवो का घात करने से प्राणियों के नरकादीय दुख का बंध होता है। जीवो की रक्षा करने से सर्वाधिक स्वर्गादिक सुख का प्राप्ति का बंध होता है। सर्व लोक में प्रसिद्ध है कि पाप करने से दुख होता है और धर्म करनी से सुख की प्राप्ति होती है यह सारी दुनिया इस बात को जानती हैं सुख के इच्छुक व्यक्ति को पाप छोड़कर सदा धर्म का आचरण करना चाहिए धर्म से सुख होगा और संसारी प्राणी अगर कार्य दुख के करेगा तो उसकी सुख की प्राप्ति नहीं होगी।

उपरोक्त मांगलिक प्रवचन पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर महाराज जी के परम शिष्य एवं पूज्य नवाचार आचार्य श्री 108 समय सागर महाराज जी के आज्ञानुवर्ती शिष्य 108 पूज्य मुनि श्री निर्दोष सागर महाराज जी ने एक विशाल धर्म सभा में व्यक्त किया आगे आपने यह भी कहा कि इस संसार सागर की सभी धर्म के आचार्यों ने कहा है की मनुष्य दुख देकर सुख प्राप्त नहीं कर सकता उसे अगर सुख चाहिए तो उसे दूसरों के प्रति सुख देने की कामना और सुख देना पड़ेगा तब जाकर वह सुख प्राप्त कर सकता है। इस संसार में धर्म, अधर्म, पुण्य ,पाप का खेल चला आया है और चलता जाएगा ।सभी को जिनेंद्र भगवान को हृदय में धारण करना चाहिए। भगवान के स्तवन से अगर वह चाहे तो उसे सब कुछ सिद्ध हो सकता है। सब कुछ प्राप्त हो सकता है वह मोक्ष मार्ग भी पकड़ सकता है उस रास्ते में जा भी सकता है। प्रत्येक संसारी प्राणी को देव शास्त्र गुरु के प्रति सदैव श्रद्धा रखना चाहिए। इस अवसर पर संघस्थ पूज्य मुनि श्री 108 निर्लोप सागर जी महाराज ने भी अपने प्रवचन में कहा कि मनुष्य का विकास धन से नहीं धर्म से होता है चिंता प्रसन्न चेहरे को भी मालिन कर देती है। एवं मन ,वचन ,काय की अशुद्धि में विशुद्ध कार्य नहीं हो सकते हैं। आपने यह भी कहा कि जो नियम से नहीं बंधना चाहता, तो समझना की वह नरक से बंध चुका है। श्री शांतिनाथ जिनालय जैन बड़े मंदिर जी में सुबह 6:00 से आचार्य भक्ति, सम्यक्त्व कौमुदी की क्लास, इसके बाद भगवान श्री का बड़े जैन मंदिर की अन्य जिन वेदियों में अभिषेक, शांति धारा, पूजन एवं पूज्य मुनि संघ की क्लास बड़े महाराज जी द्वारा ली जाती है । समस्त नगर के अलावा सिहोरा पाटन शहपुरा कटंगी बरेला भेड़ाघाट सहजपुर खेतोला कटनी नरसिंहपुर मंडला सेबी भक्तजन पहुंचकर गुरुवार के दर्शन कर अन्य धार्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो रहे हैं। नगर और आसपास का संपूर्ण वातावरण धर्ममय बना हुआ है।



सड़कों पर राहगीरों का नहीं, अतिक्रमणकारियों का राज!

फुटपाथ से मुख्य मार्ग तक दुकानदारों का कब्जा, सड़कें बनीं अवैध पार्किंग का ठिकाना

पनागर। नगर की मुख्य सड़क आम नागरिकों की आवाजाही के लिए हैं या दुकानदारों के कारोबार और वाहनों की पार्किंग के लिए..? पनागर की बदहाल यातायात व्यवस्था को देखकर यह सवाल अब हर राहगीर के मन में उठने लगा है। फुटपाथ से लेकर मुख्य मार्ग तक अतिक्रमण का फैलाव है। दुकानदारों ने सड़क किनारे तक कारोबार फैला रखा है, वहीं ऑटो, बस और अन्य वाहन सड़कों पर खड़े होकर यातायात की राह रोक रहे हैं। नतीजा यह है कि रोजाना वाहन चालकों को कदम-कदम पर जाम, अव्यवस्था और परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सड़कें कारोबार लिए रास्ता नहीं

नगर के प्रमुख मार्गों पर हालात ऐसे हैं कि पैदल चलने वालों के लिए चलना तक सुरक्षित नहीं बचा हैं।

प्रशासन से आम जनता की मांग है कि शीघ्र ही अतिक्रमण अलग करते हुए व्यवस्थित यातायात करवाए।

दीपावली पर घरों में रोशनी, जंगलों में वनकर्मियों का पहरा

दक्षिण पन्ना वनमंडल के छह वन परिक्षेत्रों में पांच दिन चला विशेष गश्ती अभियान



पन्ना/ शाहनगर, यशभारत। जब दीपावली पर लोग घरों में त्योहार मना रहे थे, तब दक्षिण पन्ना वनमंडल के वनकर्मी जंगलों में वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए मुस्तैद थे। वन एवं वन्यजीवों को अवैध शिकार और वन अपराधों से बचाने के लिए 7 से 11 नवंबर तक पांच दिवसीय विशेष गश्ती अभियान चलाया गया। अभियान के तहत सलेहा, शाहनगर, मोहंद्रा, पवई, कल्दा और रैपुरा वन परिक्षेत्रों के संवेदनशील इलाकों में दिन और रात पैदल गश्त की गई। वनकर्मियों के साथ ग्राम वन समितियों और सुरक्षा श्रमिकों ने भी जंगलों, वन मार्गों, जलस्रोतों और वन सीमाओं की निगरानी की। गश्ती के दौरान वन क्षेत्रों से गुजरने वाली विद्युत लाइनों, 11 केवी बिजली लाइनों तथा वन एवं राजस्व भूमि की सीमाओं पर लगी बाड़ और फेंसिंग की जांच की गई। बिजली के तारों और फंदों के जरिए वन्यजीवों के अवैध शिकार की आशंका वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरती गई। वन उपज जांच नाकों और संवेदनशील जलस्रोतों का भी निरीक्षण किया गया। सलेहा के हरदुआ, मुड़िया, घुटेही, सेल्हा और बौलिया, शाहनगर के अतरहाई, ताला, हरदुआ और सुंगरहा सहित विभिन्न क्षेत्रों में रात्रिकालीन गश्त की गई। अतरहाई के क्षतिपूर्ति वनीकरण क्षेत्र में वन समिति सदस्यों के साथ दीप प्रज्वलित कर दीपावली मनाने के बाद वनकर्मियों ने जंगल में पहरा दिया। मोहंद्रा, कल्दा और रैपुरा के संवेदनशील क्षेत्रों में भी संयुक्त गश्त कर निगरानी की गई। अभियान में वन परिक्षेत्र अधिकारियों, वनपालों, वनरक्षकों, ग्राम वन समितियों और सुरक्षा श्रमिकों की सक्रिय भागीदारी रही। दीपावली के दौरान चलाए गए इस अभियान ने वन्यजीव संरक्षण में विभागीय अमले के साथ सामुदायिक सहभागिता की अहमियत भी सामने रखी।

खमतरा में शुरू हुआ साप्ताहिक बाजार

ग्रामीणों को अब गांव में ही मिलेगी खरीदारी की सुविधा



शाहनगर, यशभारत। विकासखंड की ग्राम पंचायत खमतरा में बुधवार को पहली बार साप्ताहिक बाजार की शुरुआत हुई। गुरैया बाबा प्रांगण में आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम में ग्रामीणों और व्यापारियों में उत्साह नजर आया। बाजार शुरू होने से खमतरा सहित आसपास के गांवों के लोगों को स्थानीय स्तर पर रोजमर्रा की जरूरतों का सामान उपलब्ध हो सकेगा। कार्यक्रम में भाजपा मंडल उपाध्यक्ष एवं सरपंच प्रतिनिधि ध्रुव सिंह ने गुरैया बाबा के स्थान पर पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद बाजार लगाने पहुंचे व्यापारियों का ग्रामीणों ने तिलक लगाकर और माल्यार्पण कर आत्मीय स्वागत किया। बाजार में विभिन्न प्रकार की दुकानें लगने से प्रांगण में चहल-पहल रही। अब ग्रामीणों को छोटी-बड़ी जरूरतों की खरीदारी के लिए दूर-दराज के बाजारों तक नहीं जाना पड़ेगा। वहीं स्थानीय और बाहरी व्यापारियों को भी कारोबार के लिए नया अवसर मिलेगा। ग्रामीणों का मानना है कि साप्ताहिक बाजार नियमित रूप से संचालित होने पर गांव में व्यापारिक गतिविधियां बढ़ेंगी और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। अब बाजार की निरंतरता बनाए रखने की जिम्मेदारी पंचायत और स्थानीय व्यवस्था पर रहेगी।

नववर्ष में शुरू होगी शहर की नई चौपाटी

कटनी, यशभारत। शहरवासियों को नए साल में खानपान और पारिवारिक मेल-मिलाप के लिए एक नया सार्वजनिक स्थल मिलने की उम्मीद है। फॉरेस्टर प्ले ग्राउंड के पीछे निर्माणाधीन चौपाटी को नववर्ष तक तैयार करने की कवायद चल रही है। बुधवार सुबह निगमायुक्त तपस्या परिहार ने निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर शेष कार्य शीघ्र और गुणवत्ता के साथ पूरा कराने के निर्देश दिए। चौपाटी में कुल 52 दुकानों का निर्माण कराया जा रहा है।

बिरसा मुंडा जयंती पर 15 को मनेगा जनजातीय गौरव दिवस

18 नवंबर तक प्रदेशभर में होंगे विविध आयोजन



पन्ना, यशभारत। बिरसा मुंडा की जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश में 11 से 18 नवंबर तक जनजातीय गौरव सप्ताह मनाया जाएगा। इस दौरान प्रदेशभर में सामाजिक, सांस्कृतिक और जनजातीय परंपराओं से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पन्ना विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री बृजेंद्र प्रताप सिंह ने पत्रकार वार्ता में आयोजन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 15 नवंबर को प्रदेश स्तरीय मुख्य आयोजन होगा, जिसमें मुख्यमंत्री सहित केंद्र और राज्य सरकार के मंत्री शामिल होंगे। आयोजन का उद्देश्य युवाओं को जनजातीय समाज की गौरवशाली संस्कृति, परंपराओं और महापुरुषों के इतिहास से परिचित कराना है। सप्ताह के दौरान जिले में भी जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसके तहत 2 से 3 किलोमीटर लंबे सांस्कृतिक जुलूस निकाले जाएंगे, जिनका समापन विशाल रैली के रूप में होगा। इसके अलावा जनजातीय नायकों के सम्मान में प्रमुख भवनों, सड़कों, चौराहों, पार्कों और सर्किलों का नामकरण करने की योजना है। प्रमुख पार्कों में जनजातीय नायक-नायिकाओं की प्रतिमाएं स्थापित करने का भी प्रस्ताव है। आयोजन के माध्यम से जनजातीय समाज के ऐतिहासिक योगदान और सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

बरगी क्षेत्र में अवैध शराब का कारोबार बेखौफ, ग्रामीणों ने पुलिस चौकी पहुंचकर सौंपा ज्ञापन



बरगी नगर। बरगी क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री थमने का नाम नहीं ले रही है। ग्राम पंचायत खापागवारी के ग्राम बसा के ग्रामीणों ने पुलिस चौकी पहुंचकर ज्ञापन सौंपा और अवैध शराब कारोबार पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि लंबे समय से चल रहे इस अवैध कारोबार की पूर्व में भी कई बार शिकायतें दी गईं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे शराब माफियाओं के हौसले बुलंद हैं और गांवों का सामाजिक माहौल बिगड़ रहा है। शराब के नशे में गाली-गलौज, विवाद और महिलाओं की सुरक्षा जैसी समस्याएं गंभीर रूप ले चुकी हैं। ग्रामीणों ने सख्त कार्रवाई की मांग की है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस पर क्या कदम उठाता है।

10 साल की ईरा ने बनाए 6 वर्ल्ड रिकॉर्ड

दुनिया की सबसे कम उम्र की क्वालिफाइड स्कूबा डाइवर बनीं,माता-पिता नेवी में कमांडर



बुलढाणा, एजेंसी। महाराष्ट्र के बुलढाणा की 10 साल की ईरा आदित्य राउत ने स्कूबा डाइविंग में एक दिन में 6 वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए हैं। उन्होंने 10 साल, 17 घंटे और 35 मिनट की उम्र में दुनिया की सबसे कम उम्र की क्वालिफाइड स्कूबा डाइवर बनने का रिकॉर्ड बनाया। ईरा ने यह उपलब्धि अंडमान-निकोबार के शहीद द्वीप स्थित डाइव ट्राइब सेंटर में हासिल की। उनके माता-पिता दोनों भारतीय नौसेना में कमांडर हैं। ईरा की स्कूबा डाइविंग योग्यता को अंतरराष्ट्रीय संस्था स्कूबा स्कूल्स इंटरनेशनल (स्स्ढ्ढ) ने प्रमाणित किया है। वहीं, इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के निर्णायक अरविंदर सिंह भाटी ने मौके पर उनके सभी 6 रिकॉर्ड की जांच कर पुष्टि की।

पानी के अंदर 1 मिनट में सबसे ज्यादा हैंड सिग्नल दिखाए

ईरा ने सबसे कम उम्र की क्वालिफाइड स्कूबा डाइवर बनने के अलावा पानी के अंदर कई रिकॉर्ड बनाए। इनमें तीन रिकॉर्ड टीनएज से कम उम्र के प्रतिभागियों की कैटेगरी में दर्ज हुए।

हैंड सिग्नल-पानी के अंदर 1 मिनट में सबसे ज्यादा स्कूबा डाइविंग हैंड सिग्नल दिखाने का रिकॉर्ड।

डाइविंग उपकरणों की पहचान-पानी के नीचे सबसे ज्यादा डाइविंग उपकरणों की पहचान करने का रिकॉर्ड।

सबसे ज्यादा दूरी-पानी के अंदर 1 मिनट में सबसे ज्यादा दूरी तय करने का रिकॉर्ड।

समुद्री जीवों की पहचान-स्कूबा डाइविंग के दौरान सबसे ज्यादा समुद्री जीवों की प्रजातियों की पहचान करने का रिकॉर्ड। एक दिन में 6 रिकॉर्ड्स एक ही दिन में 6 अलग-अलग वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का कीर्तिमान।

पिता-मां नेवी में कमांडर, दादा भी रह चुके नौसेना अधिकारी

ईरा के पिता कमांडर आदित्य राउत और मां कमांडर स्नेह बुडाकोटी भारतीय नौसेना में सेवाएं दे रहे हैं। उनके दादा अशोक राजाराम राउत भी नौसेना में कमांडर रह चुके हैं। ईरा का परिवार मूल रूप से महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले का रहने वाला है।

ईरा फिलहाल कर्नाटक के कारवार स्थित नेवल चिल्ड्रन स्कूल में कक्षा 5वीं की छात्रा हैं। नौसेना से जुड़े परिवार में पली-बढ़ीं ईरा ने कम उम्र में ही स्कूबा डाइविंग जैसे एडवेंचर स्पोर्ट्स में रुचि दिखाई।

राज्य स्तरीय जूनियर खो-खो प्रतियोगिता का शानदार आगाज, जबलपुर की धाकड़ शुरूआत

जबलपुर, यशभारत। 45वीं जूनियर राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का शुभारंभ बुधवार को उत्साह, उमंग और खेल भावना के साथ हुआ।प्रतियोगिता का पहला मुकाबला मेजबान जबलपुर और अमरिया के बीच खेला गया। इसमें जबलपुर की टीम ने शुरुआत से ही शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अमरिया को एक पारी और आठ अंकों से पराजित कर विजयी आगाज किया। घरेलू मैदान पर मिली इस जीत से जबलपुर के खिलाड़ियों में खासा उत्साह नजर आया।



प्रतियोगिता के पहले दिन बालक वर्ग में बैतूल की टीम ने पन्ना को एक पारी और 20 अंकों से करारी शिकस्त दी। शहडोल ने हरदा को पांच अंकों से तथा मंडला ने भोपाल को सात अंकों से पराजित किया। वहीं विदिशा और रतलाम के बीच खेला गया मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। बालिका वर्ग में नरसिंहपुर ने हरदा को एक पारी और नौ अंकों से हराया। मंडला ने शहडोल को एक पारी और 14 अंकों से तथा विदिशा ने पन्ना को एक पारी और चार अंकों से पराजित किया।

अलावा बैतूल ने बुरहानपुर को पांच अंकों से, सीहोर ने बालाघाट को तीन अंकों से और खंडवा ने अनूपपुर को एक पारी और 18 अंकों से हराकर अगले मुकाबलों के लिए अपनी स्थिति मजबूत की। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में पाटन विधायक अजय विश्नोई मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ के सचिव दिग्विजय सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। विशिष्ट अतिथि के रूप में मनोज यादव, रामकुमार यादव एवं नरेश मौजूद रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में मध्यप्रदेश खो-खो संघ के संरक्षक पं. योगेश दुबे, सचिव संजय यादव, विनोद पोद्दार, नैसी जैन, आफरीन शेख, पूजा बर्मन एवं शुभम काछी ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रतियोगिता के दौरान निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए चन्द्रशेखर स्वामी, सुनील परमार, जीतू तिवारी, विवेक यादव, अरुणा काछी, दीपक कुमार, आकाश खत्री, गोल्डी गुप्ता एवं मोनिका मेहता ने निर्णायक की भूमिका निभाई। इस अवसर पर मुकेश सिंह, बृजेश मिश्रा एवं मोहन यादव सहित खेल जगत से जुड़े अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आशुतोष तिवारी ने किया। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंची बालक एवं बालिका टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। पहले दिन के परिणामों ने प्रतियोगिता को रोचक बना दिया है।

बांग्लादेश के मुस्तफिजुर ने कराया IPL ऑक्शन में रजिस्ट्रेशन

मुंबई, यशभारत। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान ने IPL-2027 के मिनी ऑक्शन के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अधिकारी शहरयार नफीस ने इसकी पुष्टि की है।मुस्तफिजुर को पिछले सीजन शाहरुख खान की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने 9.20 करोड़ रुपए में खरीदा था। वे IPL के सबसे महंगे बांग्लादेशी खिलाड़ी बने थे। हालांकि, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के बीच उनके IPL में खेलने को लेकर विरोध शुरु हो गया था। इसके बाद BCCI के निर्देश परचयक्रने उन्हें टीम से रिलीज कर दिया। विवाद तब और बढ़ा जब बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत में टी-20 वर्ल्ड कप 2026 खेलने से मना कर दिया। टीम ने कहा कि उसके सभी मैच श्रीलंका में कराए जाए, लेकिन ICC ने इस अपील को रिजेक्ट कर दिया। उसकी जगह स्कॉटलैंड टूर्नामेंट खेली थी।

सुरेन्द्र जायसवाल जूनियर डिवीजन एवं रमेश चौकसे सीनियर डिवीजन फुटबॉल प्रतियोगिता

स्पार्टन एफसी -स्टेमफील्ड एफसी की शानदार जीत

जबलपुर, यशभारत। जिला फुटबॉल संघ के तत्वावधान में शिवाजी ग्राउंड में खेली जा रही सुरेन्द्र जायसवाल जूनियर डिवीजन एवं रमेश चौकसे सीनियर डिवीजन फुटबॉल प्रतियोगिता में आज दो मुकाबले खेले गए। जूनियर डिवीजन में स्पार्टन एफसी ने फाउंडेशन एफसी को एकतरफा मुकाबले में 6-0 से पराजित किया, वहीं सीनियर डिवीजन में स्टेम फील्ड एफसी ने जीनियस एफसी को 6-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश की उम्मीदों को बरकरार रखा।



जूनियर डिवीजन के मुकाबले में स्पार्टन एफसी ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। टीम ने मैदान पर उतरते ही फाउंडेशन एफसी पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। इसका नतीजा रहा कि मैच के 10वें मिनट में स्पार्टन ने पहला गोल दागकर बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद टीम ने अपने हमलों की रफ्तार और तेज कर दी। 14वें मिनट में दूसरा और 18वें मिनट में तीसरा गोल कर स्पार्टन ने मुकाबले पर पूरी तरह पकड़ बना ली। फाउंडेशन एफसी ने गोल अंतर कम करने के लिए कई प्रयास किए, लेकिन स्पार्टन के मजबूत रक्षापंक्ति के सामने उसकी एक नहीं चली। मध्यांतर तक स्पार्टन एफसी 3-0 से आगे रही। मध्यांतर के बाद भी स्पार्टन का आक्रामक खेल जारी रहा। टीम ने 56वें मिनट में चौथा, 67वें मिनट में पांचवां और 78वें मिनट में छठा गोल दागकर फाउंडेशन एफसी की वापसी की सभी उम्मीदों पर विराम लगा दिया। निर्धारित समय की समाप्ति पर स्पार्टन एफसी ने 6-0 से शानदार जीत दर्ज की।

वहीं रमेश चौकसे सीनियर डिवीजन प्रतियोगिता के दूसरे मुकाबले में स्टेम फील्ड एफसी और जीनियस एफसी के बीच भिड़ंत हुई। मैच के शुरुआती मिनटों में दोनों टीमों ने गोल करने के लिए प्रयास किए, लेकिन आपसी तालमेल और कमजोर फिनिशिंग के कारण शुरुआत में सफलता नहीं मिल सकी। हालांकि पांचवें मिनट में स्टेम फील्ड ने पहला गोल कर बढ़त बना ली। इसके बाद टीम ने 15वें मिनट में दूसरा और 20वें मिनट में तीसरा गोल दागकर जीनियस एफसी को दबाव में ला दिया। मध्यांतर तक स्टेम फील्ड 3-0 से आगे रही। मध्यांतर के बाद जीनियस एफसी ने वापसी के लिए हमले तेज किए, लेकिन खिलाड़ियों के निशाने चूकने के कारण टीम गोल करने में सफल नहीं हो सकी। दूसरी ओर स्टीम फील्ड ने अपने आक्रामक खेल को जारी रखते हुए 60वें मिनट में चौथा, 65वें मिनट में पांचवां और 80वें मिनट में छठा गोल किया। इस तरह स्टेम फील्ड एफसी ने जीनियस एफसी को 6-0 से करारी शिकस्त देकर सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा। दोनों मुकाबलों में निर्णायक की भूमिका मो. अफजल, कुलदीप, हरी रजक, अतुल तिवारी, उत्तम कुमार, रिचर्ड एवं चंद्रा मलिक ने निभाई।

कुश्ती टीम के लिए चयन ट्रायल कल

जबलपुर , यशभारत। राज्य स्तरीय सीनियर कुश्ती प्रतियोगिता आयोजन ग्वालियर में होने जा रहा है। इस प्रतियोगिता में जबलपुर का प्रतिनिधित्व करने वाली महिला पुरुष टीम के गठन के लिए 13 नबंबर को चयन स्पर्धा आयोजित जाएगी।



यह ट्रायल रानीताल परिसर स्थित जनभागीदारी प्रशिक्षण केंद्र में दोपहर 3 से शुरू होगा। पुरुष फ्रीस्टाइल में 57 से 125 किलोग्राम तक की 10, ग्रीको रोमन में 55 से 130 किलोग्राम तक की 10 और महिला फ्रीस्टाइल में 50 से 76 किलोग्राम तक की 10 वजन श्रेणियों में मुकाबले होंगे। ग्वालियर में 28 और 29 नवंबर को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित होगी। इसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी ही दिसंबर में उज्जैन में होने वाली राष्ट्रीय सीनियर कुश्ती प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए जबलपुर की टीम घोषित, अथर्व शर्मा को मिली कमान



जबलपुर, यशभारत। संभागीय क्रिकेट संघ के तत्वावधान में आयोजित अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए जबलपुर जिला टीम की घोषणा कर दी गई है। टीम की कमान अथर्व शर्मा को सौंपी गई है, जबकि आर्यन पटेल उपकप्तान होंगे। टीम में श्लोक दुबे, ओझा सहारा, शोर पारेता, सक्षम वर्मा, अनंत कुशवाहा, श्रेयांश पांडे, कौशिक सिंह, असलन अली, उमंग शर्मा, आरव राजपूत, विनायक पांडे, अंश शर्मा, रुद्राक्ष मिश्रा और वंश जैन को शामिल किया गया है। वह अतिरिक्त खिलाडियों के रूप रुद्रा विश्वकर्मा, यश रजक, विन यादव और लक्ष्य नामदेव को गया है।

रंग संसार

अपनी फिटनेस के प्रति बेहद समर्पित है सोहा अली खान





मुंबई (यशभारत)। 45 वर्ष की उम्र में भी अभिनेत्री सोहा अली खान अपनी फिटनेस के प्रति बेहद समर्पित हैं और नियमित रूप से कड़ी मेहनत से व्यायाम करती हैं। हाल ही में, उन्होंने अपने जिम साथियों के साथ एक गतिशीलता चुनौती (मोबिलिटी चैलेंज) में हिस्सा लिया, जो उनके लिए बेहद ज्ञानवर्धक अनुभव साबित हुआ। इस चुनौती में उन्हें बिना हाथों का सहारा लिए फर्श पर लेटना था और फिर वापस उठना था। 'रंग दे बसंती' जैसी फिल्मों में अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीतने वाली सोहा ने बताया कि यह चुनौती देखने में भले ही छोटी और सीधी-सादी लगे, लेकिन इसमें कूल्हे की गतिशीलता, निचले शरीर की ताकत, संतुलन, लचीलापन और शरीर के अंगों के बीच समन्वय का एक जटिल मिश्रण शामिल है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उम्र बढ़ने के साथ, हम अक्सर ऐसी कई गतिविधियों को करने में असमर्थ होने लगते हैं जो युवावस्था में बेहद आसान प्रतीत होती थीं। सोहा ने अपने विचारों को साझा करते हुए कहा, हमें इस बात पर गहराई से सोचने की जरूरत है कि हम अपने शरीर को रोजमर्रा की जिंदगी में काम आने वाली गतिविधियों को करने के लिए कितनी बार प्रशिक्षित करते हैं। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती जाती है, यदि हम इन शारीरिक क्षमताओं को बनाए रखने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास नहीं करते हैं, तो हम स्वाभाविक रूप से उनमें से कुछ को खोने लगते हैं। और तब, रोजमर्रा की दिखने में बेहद सरल गतिविधियां भी अचानक से कठिन और चुनौतीपूर्ण लगने लगती हैं।

जैकी चैन की नकल करने में कमल हासन को हुए थे 32 फैक्चर



मुंबई (यशभारत)। बॉलीवुड और साउथ की फिल्मों के मशहूर अभिनेता कमल हासन अपने करियर में कई चुनौतीपूर्ण किरदार निभा चुके हैं। अभिनय की प्रति कमल हासन का जुनून इतना गहरा रहा है कि एक बार तो अपने पसंदीदा एक्शन स्टार जैकी चैन की तरह खतरनाक स्टंट करने की कोशिश की, जिसमें अभिनेता बुरी तरह से घायल हो गए। कमल हासन को जैकी चैन की नकल करने में अपने शरीर में 32 फ्रैक्चर झेलने पड़े थे। कमल हासन ने इस चौंकाने वाले किस्से का जिक्र एक फिल्म के ऑडियो लॉन्च कार्यक्रम के दौरान किया था, जिसमें हॉलीवुड के मशहूर एक्शन स्टार जैकी चैन भी मौजूद थे। इस अवसर पर कमल हासन ने जैकी चैन के सामने उनसे जुड़ा अपना व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया था कि वह उनके स्टंट से किस कदर प्रभावित थे। जैकी चैन की तरह ही साहसिक एक्शन दृश्यों को करने की कोशिश में उन्होंने कई खतरनाक स्टंट किए और दुर्भाग्यवश इसी दौरान उनके शरीर में ये कई फ्रैक्चर हुए। कमल हासन ने मजाकिया लहजे में जैकी चैन से कहा था कि उन्हीं की वजह से उनके शरीर की यह हालत हुई है। इसके बाद उन्होंने जैकी चैन से उनसे साथ काम करने का अपना वादा पूरा करने का अनुरोध भी किया। दरअसल, कमल हासन और जैकी चैन की पहली मुलाकात भी काफी दिलचस्प रही थी, जहां उनकी बातचीत का एक प्रमुख विषय शरीर में आई चोटें भी थीं। कमल ने बताया था कि जैकी ने उनसे पूछा था कि उनके शरीर में कितनी हड्डियां टूट चुकी हैं, जिस पर कमल ने जवाब दिया था कि उनकी 32 हड्डियां टूट चुकी हैं। यह सुनकर जैकी ने हंसते हुए कहा था कि वह अभी उनसे काफी पीछे हैं। यह घटना कमल हासन के अपनी कला के प्रति अदम्य साहस और समर्पण को दर्शाती है। उन्होंने अपने पूरे फिल्मी सफर में हमेशा ऐसे किरदारों को चुना है, जिनमें शारीरिक और मानसिक दोनों स्तरों पर गहन तैयारी की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, उन्होंने फिल्म अप्पू राजा में एक बौने व्यक्ति का किरदार निभाने के लिए कैमरा एंगल और तकनीक पर बहुत काम किया था, ताकि यह किरदार वास्तविक लगे। फिल्म चाची 420 में उन्होंने एक महिला का रूप धारण किया, जिसके लिए उन्हें मेकअप, चाल-ढाल और बोलने के तरीके पर अत्यधिक मेहनत करनी पड़ी थी, जो एक पुरुष कलाकार के लिए असाधारण चुनौती थी। वहीं, उनकी फिल्म दशावतारम में उन्होंने एक साथ 10 अलग-अलग किरदार निभाकर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का अद्वितीय प्रदर्शन किया था, जिसे आज भी याद किया जाता है। कमल हासन का फिल्मी सफर बचपन में ही शुरू हो गया था। उन्होंने महज चार साल की उम्र में फिल्म कलाथुर कन्नम्मा से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था।





बिना बुलेट प्रूफ शीशे के अमिताभ ने की प्रशंसकों से मुलाकात

मुंबई (यशभारत)। अपने मुंबई स्थित आवास के बाहर सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने प्रशंसकों से मुलाकात की, लेकिन वे इस बार बिना बुलेटप्रूफ शीशे के सामने आए। इस बार भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, लेकिन अभिनेता सीधे प्रशंसकों के सामने नजर आए। हाल ही में मिली धमकी के बाद उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी और पिछली मुलाकात के दौरान उनके तथा प्रशंसकों के बीच बुलेटप्रूफ शीशा लगाया गया था। इस रविवार उनके साथ बेटे अभिषेक बच्चन भी मौजूद थे। अमिताभ रंग-बिरंगी जैकेट पहने घर से बाहर आए और वहां मौजूद लोगों की ओर हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया। उनके पीछे अभिषेक बच्चन भी खड़े दिखाई दिए। इससे पहले अमिताभ और प्रशंसकों के बीच बुलेटप्रूफ शीशा लगाया गया था। अक्टूबर में मुंबई की महापौर ऋतु तावड़े को ईमेल के जरिए अभिनेता के आवास और गायक दिलजीत दोसांझ के संगीत कार्यक्रम स्थल पर बम विस्फोट करने की धमकी मिली थी। इसके बाद अमिताभ बच्चन की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। पिछली मुलाकात में सुरक्षा व्यवस्था के तहत बुलेटप्रूफ शीशे का इस्तेमाल किया गया था। दिवाली के अवसर पर अमिताभ ने अपने प्रशंसकों को शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने अपने निजी ब्लॉग पर त्योहार की बधाई देते हुए सभी के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। अभिनेता ने यह भी बताया कि प्रशंसकों की ओर से उन्हें इतने उपहार मिल रहे हैं कि उन्हें रखने के लिए जगह ढूंढ़ना मुश्किल हो रहा है।

लव गिल ने स्काउट ओपी के साथ अपने रिश्ते को बताया भाई-बहन

मुंबई (यशभारत)। लव गिल और स्काउट ओपी की दोस्ती रियलिटी शो बिग बॉस 20 में चर्चा का विषय बनी हुई है। इनकी दोस्ती को लेकर शो के घर के अंदर और बाहर कई बार सवाल उठ चुके हैं। अब नए प्रोमो में लव गिल ने स्काउट ओपी को एक खास ब्रेसलेट देकर अपने रिश्ते को भाई-बहन का नाम दिया है। इस दौरान लव ने कहा कि दुनिया उनके बारे में चाहे कुछ भी सोचे, उन्हें स्काउट पर पूरा भरोसा है और वह उन पर गर्व करती हैं।

प्रोमो में लव गिल स्काउट को ब्रेसलेट देती दिखाई देती हैं। वह कहती हैं कि राखी का त्योहार आया है और एक बहन के तौर पर वह उन्हें यह ब्रेसलेट देना चाहती हैं।

इसके बाद वह स्काउट से कहती हैं कि दूसरे लोग उनके रिश्ते के बारे में क्या सोचते हैं, इससे उन्हें फर्क नहीं पड़ता। उन्हें स्काउट के बारे में सब कुछ पता है और उन्हें उन पर विश्वास है। लव की इन बातों के बाद दोनों के रिश्ते को लेकर चल रही चर्चाएं



फिर तेज हो गई हैं। शो में दोनों अक्सर साथ समय बिताते नजर आते हैं। उनकी दोस्ती और आपसी नजदीकियों को लेकर घर के दूसरे सदस्यों ने भी सवाल उठाए हैं। ऐसे में लव का ब्रेसलेट देकर स्काउट को भाई जैसा बताना दर्शकों के लिए खास पल बन गया है। प्रोमो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर भी इस पर प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। इस बार बिग बॉस 20 का वीकेंड का वार दिवाली विशेष रहा। र्यक्रम में गायक मोहित चौहान, हार्डी संधू और जस्मीन सैंडलस ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। स्टैंडअप कॉमेडियन गौरव गुप्ता और करण जौहर भी घरवालों के साथ मस्ती करते दिखाई दिए। सलमान खान ने प्रतियोगियों से बातचीत की और शो के माहौल को मनोरंजक बनाया। शो की शुरुआत में 16 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया था।

अब तक रोहेद खान, ईशा रिखी, रीति तिवारी, अमन गांधी, वाइल्ड कार्ड प्रतियोगी नकुल धुल उर्फ मिट्ठू डॉन और मैरी कॉम बाहर हो चुके हैं। इसके अलावा इस सप्ताह पंचायत से पहचान बनाने वाले आसिफ खान भी शो से बेघर हो गए।

संस्कारधानी की स्वच्छता में ऐतिहासिक छलांग

जबलपुर, यशभारत। स्वच्छता के क्षेत्र में संस्कारधानी जबलपुर ने राष्ट्रीय स्तर पर एक नया कीर्तिमान रचते हुए स्वच्छता सर्वेक्षण में देश में दूसरा स्थान हासिल किया है। दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित भव्य समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया, जिसे महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, तत्कालीन निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार और वर्तमान निगमायुक्त अग्रिम कुमार ने ग्रहण किया। इस सफलता के पीछे कोई एक दिन की मेहनत नहीं, बल्कि ठोस तकनीकी प्रबंधन, वैज्ञानिक कचरा निष्पादन और प्रशासनिक नवाचारों का लंबा सफर है।

22वें से दूसरे स्थान तक का सफर

जब वर्तमान महापौर ने कार्यभार संभाला था, तब स्वच्छता सर्वेक्षण में जबलपुर देश में 22वें पायदान पर था। वहां से क्रमिक सुधार करते हुए शहर 13वें, फिर पांचवें और अब सीधे दूसरे स्थान पर पहुंचा है। इस सफर की सफलता के पीछे वे तकनीकी और प्रशासनिक बिंदु रहे, जिन्होंने शहर की सूरत बदल दी।

- **वेस्ट टू एनर्जी प्लांट और वैज्ञानिक कचरा प्रोसेसिंग:** शहर में आधुनिक कचरा प्रबंधन के तहत नवंबर-दिसंबर 2025 में वेस्ट टू एनर्जी प्लांट का संचालन शुरू कराया गया। इसके बाद जनवरी, फरवरी और मार्च 2026 के महज तीन महीनों में लगभग 3.5 लाख टन कचरे की वैज्ञानिक प्रोसेसिंग की गई।
- **डंप साइट्स की मुक्ति और भूमि सुधार:** पुराने कचरे के विशाल ढेरों का निष्पादन कर लगभग 17 एकड़ भूमि को पूरी तरह कचरा मुक्त कराया गया, जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिला।



- **थ्री-आर (3R) सेंटर्स का अभिनव प्रयोग:** 'रिड्यूस, रीयूज और रिसाइकिल' की अवधारणा पर आधारित थ्री-आर सेंटर बनाए गए, जिनमें बुक बैंक, खिलौना बैंक और कपड़ा बैंक जैसी व्यवस्थाओं के जरिए अनुपयोगी वस्तुओं का पुनः उपयोग सुनिश्चित किया गया।
- **मैदानी मॉनिटरिंग और नाइट स्वीपिंग:** व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए निगमायुक्त द्वारा प्रतिदिन प्रातः 6 बजे से मैदानी निरीक्षण किया गया। इसके अलावा, प्रमुख व्यस्त मार्गों पर रात्रिकालीन सफाई (नाइट स्वीपिंग) को प्रभावी बनाया गया।
- कड़े नियम और प्रवर्तन : सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों पर निरंतर 'स्पॉट फाइन' की कार्रवाई की गई तथा प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर रोक लगाने के लिए लगातार जब्ती अभियान चलाए गए।

डुमना में स्वागत और अब 'नंबर वन' की तैयारी

जबलपुर के राष्ट्रीय पटल पर चमकने और दूसरा स्थान हासिल करने के बाद संस्कारधानी लौटने पर महापौर, निगमायुक्तों और सफाई मित्रों का शहर में अभूतपूर्व और जोरदार स्वागत किया गया। नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने फूल-मालाओं से इस ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाया। इस अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने यह पुरस्कार शहर के प्रत्येक देवतुल्य नागरिकों और सफाई मित्रों को समर्पित किया। साथ ही, स्पष्ट किया कि यह सम्मान केवल एक पड़ाव है, और अब जबलपुर का अगला लक्ष्य देश में 'नंबर वन' बनने का है। शहरवासियों और सफाई मित्रों के इस जोश से यह तय है कि संस्कारधानी स्वच्छता के मामले में नए कीर्तिमान गढ़ने के लिए पूरी तरह तैयार है।

धनतेरस पर सबसे ज्यादा जगमगाया शहर, दीवाली को छोड़ा पीछे

जबलपुर, यशभारत। जबलपुर में बिजली खपत के आंकड़े बताते हैं कि दीवाली से कहीं ज्यादा धन-तेरस के दिन चमक-दमक व सजावट रही। हालाँकि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार 11 फीसदी ज्यादा बिजली की रोशनी की रही। मजेदार बात तो यह है कि दीवाली एवं धन-तेरस में की गई सजावट दुर्गोत्सव को पीछे नहीं छोड़ पाई।

पिछले साल के मुकाबले दीपावली पर 17 फीसदी अधिक बिजली खपत, धनतेरस पर पीक लोड 245 मेगावाट रहा, दुर्गोत्सव में सबसे ज्यादा 296 मेगावाट बिजली की मांग



सच कहें तो आंकड़े झूठ नहीं बोलते, यही वजह है कि वे कभी-कभी चौंकाते हैं। मसलन इस बार शहर में बिजली खपत के जो आंकड़े मिले हैं, वे दर्शाते हैं कि धन-तेरस के दिन पीक लोड आवर पर 245 मेगावाट बिजली की खपत हुई। जो इस दीपोत्सव पर सबसे ज्यादा थी। छोटी दीवाली अर्थात रूप-चतुर्दशी के दिन बिजली की खपत घटकर 241 मेगावाट पर आई। इसी प्रकार यह खपत दीवाली के दिन 230 मेगावाट दर्ज हुई, हालाँकि पिछली दीवाली जो 20 अक्टूबर 2025 को थी, तब बिजली की मांग 196 मेगावाट तक ही पहुँची थी। जो पिछले साल से लगभग 17 फीसदी ज्यादा खपत है । उसके पूर्व 2024 में यह खपत 190.3 मेगावाट ही थी।

विशेषज्ञों का कहना है कि दीवाली की रात दुकानों की सजावट प्रायः खत्म सी हो जाती है, जबकि धन-तेरस के दिन घरों के साथ-साथ दुकानों की साज-सज्जा भी शबाब पर रहती है। जिस कारण दीवाली से कहीं ज्यादा धन-तेरस के दिन ज्यादा मेगावाट बिजली खर्च हुई। वहीं दूसरी ओर नवरात्र के दौरान घर-घर में सजावट भले न हो लेकिन दुर्गा-पंडालों, मंदिरों व सड़कों पर काफी सजावट की जाती है। साथ ही दुकानों पर भी उपभोक्ताओं को लुभाने पर्याप्त साज-सज्जा की जाती है। जिस कारण इस दौरान बिजली की सर्वाधिक खपत 296 मेगावाट (18 अक्टूबर 2026) तक पहुँची थी। प्रदेश स्तर की बिजली खपत पर नजर डाली जाए तो इस दीवाली पर 17 हजार 893 मेगावाट मांग तक पहुँच गई, जो पिछले वर्ष से करीब 43 फीसदी अधिक थी। पिछले वर्ष यह खपत 12 हजार 452 मेगावाट तक पहुँची थी।

दीवाली पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिये चौक-चौकस प्रबंध

इस दीवाली पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति हो इसके लिये काफी चौकसी बरती गई। एमपी ट्रांसको के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी के अनुसार 1278 ट्रांसमिशन लाइनों और 418 अतिरिक्त हाई टेंशन सब-स्टेशनों से सतत विद्युत आपूर्ति की गई, हर सब-स्टेशनों पर रात्रि में निगरानी हेतु कर्मियों को तैनात किया गया था।

पारे में आंशिक गिरावट, मौसम शुष्क रहने की संभावना

किसानों को सलाह,कम पानी वाली फसलों को प्राथमिकता दें



जबलपुर यश भारत। मौसम में किंचित गिरावट के साथ आगे मौसम शुष्क रहने की संभावना मौसम विभाग ने जताते हुए कहा कि वर्तमान में फसलों की बुबाई में कम पानी वाली फसलें मसूर चना आदि को प्राथमिकता दें तो अच्छा होगा। ठंड को लेकर कहा गया है कि अभी पारे में किंचित गिरावट आई है। लेकिन आने वाले समय ठंड बढ़ने की संभावना है। अतः बदलते मौसम को देखते हुए अपने खान-पान के साथ गर्म कपड़े पहनें। यद्यपि पाकिस्तान के आसपास और उत्तर प्रदेश के ऊपर चक्रवाती विछोभ है। लेकिन मध्य प्रदेश में उसका कोई असर नहीं होगा। मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को पारा किंचित गिरावट के साथ 12.8 सेल्सियस दर्ज किया गया जो गत दिवस की अपेक्षा.4 कम यानि सामान्य से 3 डिग्री कम रहा। आद्रता 73 फीसदी रही जबकि गत दिवस आद्रता 62.3 रही यानि आद्रता में 10 फीसदी की वृद्धि आंकी गई। बहरहाल मौसम विभाग ने मौसम में बदलाव के चलते लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहते हुए किसानों को अतिरिक्त सलाह दी है कि वे सरसों,तुरई की बुबाई के साथ रवी फसल के लिए सहकारी समितियों के माध्यम से खाद उर्वरक आदि का समय रहते इंतजाम कर लें। ताकि फसल का अधिक से अधिक उत्पादन का लाभ अर्जित कर सकें।

शहर में बीती रात दो स्थानों पर हुईं आगजनी, टला बड़ा हादसा



जबलपुर, यशभारत। बुधवार की देर रात शहर में आगजनी की दो अलग-अलग घटनाएं सामने आई, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, समय रहते दमकल विभाग की मुस्तैदी से दोनों ही घटनाओं पर नियंत्रण पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

पहली घटना रात लगभग सवा बारह बजे होम साइंस कॉलेज के पास हिंदू पंजाबी एसोसिएशन भवन के नजदीक हुई, जहाँ सड़क किनारे खड़ी एक कार में अचानक आग लग गई। आशंका जताई जा रही है कि यह आग आतिशबाजी या पटाखे फोड़ने के कारण सुलगती चिंगारी से लगी होगी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुँची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। दमकल कर्मियों ने समय रहते आग बुझाकर आसपास खड़ी अन्य गाड़ियों को सुरक्षित बचा लिया, हालांकि तब तक कार बुरी तरह जल चुकी थी। वहीं, दूसरी घटना गोरखपुर क्षेत्र स्थित एक रिहाइशी अपार्टमेंट की है, जहाँ अज्ञात कारणों से घर के अंदर आग भड़क उठी। गनीमत रही कि इस घटना में भी समय रहते स्थिति को संभाल लिया गया और कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ।

रुपयों के लिए युवक का अपहरण करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार, स्कॉर्पियो व हथियार बरामद

जबलपुर, यशभारत। सिविक सेंटर स्थित दवा मार्केट से रुपयों की मांग को लेकर एक युवक का अपहरण करने वाले चारों आरोपियों को ओमती पुलिस ने मंडला जिले से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के चंगुल से अपहृत युवक को सकुशल मुक्त कराते हुए घटना में प्रयुक्त बिना नंबर की काली स्कॉर्पियो, दो चाकू और पांच मोबाइल फोन जब्त किए हैं। घटना 10 नवंबर की शाम की है, जब सिविल लाइन निवासी अविरल



उर्फ स्वराज सिंह सेंगर, इमरान खान, आकाश छिपेलकर और रिषभ पटेल ने एस.एम. फार्मा की दुकान के बाहर से विजय नगर निवासी सिद्धार्थ नागदेव का जबरन अपहरण कर लिया



था। पीड़ित के भाई सचिन नागदेव की रिपोर्ट पर पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मंडला के टिकुरिया थाना क्षेत्र में दबिश देकर चारों आरोपियों को दबोच लिया। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है।

रक्षा संस्थानों की समीक्षा करने आ सकते हैं सेना के तीनों अंगों के वरिष्ठ अधिकारी

जबलपुर यश भारत। रक्षा संस्थानों की समीक्षा करने के लिए कोई महत्वपूर्ण कमेटी के सदस्यों का प्रतिनिधि मंडल आने की खबर के बाद रक्षा संस्थानों में व्यवस्था चुस्त दुरुस्त की जा रही है। संभावना है कि 13 नवंबर को टीम के सदस्य संस्थानों का दौरा करेंगे। इसके लिए गुरुवार को बाहर से उच्च अधिकारी शहर पहुंच रहे हैं। अधिकारिक सूत्रों के अनुसार यह एक नियमित प्रक्रिया है जिसके माध्यम से रक्षा तैयारियों की समीक्षा की जाती है। उल्लेखनीय है कि शहर में एक दर्जन से ज्यादा महत्वपूर्ण संस्थान स्थापित हैं। समीक्षा के लिए प्रिंसिपल मेनेजमेंट आफीसर्स कमेटी होती है। जिसमें सेना के तीनों अंगों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रक्षा मंत्रालय के अधिकारी शामिल होते हैं।जो देश के विभिन्न रक्षा संस्थानों का नियमित दौरा कर संस्थानों में अपग्रेडेशन,मार्डनाइजेशन और इनोवेशन की समीक्षा कर अगली रूपरेखा पर संबंधितों का मार्गदर्शन करती है। इस बार समिति के प्रतिनिधि मंडल ने जबलपुर का दौरा सुनिश्चित किया है जो 13 नवंबर को रक्षा प्रतिष्ठानों का दौरा किया जाएगा।





स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा पी.जी. इंन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा. लि. प्लांट 18 इंडस्ट्रियल एरिया रिछाई, जबलपुर से मुद्रित एवं जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम विवेकानंद वार्ड जबलपुर से प्रकाशित। स्थानीय सम्पादक प्रवीण अग्रहरि, संपादक अम्बरीष तिवारी*, सलाहकार संपादक श्याम कटारे
RNI No. MPHIN/2007/18675। फोन-2643333 email - jabalpur@yashbharat.co.in। (*पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2025-27 (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)